सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

आवश्यकता है
मीडिया हाउस
में काम करने के लिए
ऑफिस बॉय की जरूरत है।
(छुटपुट कुकिंग कार्य करने वाले को प्राथमिकता)
वेतन चार अंकों में ....
पता : शॉप नंबर 12, रेलवे क्रासिंग के पास, आकाशगंगा , सुपेला, भिलाई
संपर्क : 9827806026, 8319932659

वर्ष- 14 अंक - 333 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 15 सितंबर 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

6 दिन से लापता युवक का शव दलदल में मिला, परिजनों में मचा कोहराम

जगदलपुर। जगदलपुर पुलिस ने छह दिन से लापता युवक का शव सन सिटी के पीछे दलदल से बरामद किया है। बहादुर गुड़ा में रहने वाला युवक नौ सितंबर को लापता हो गया था, जिसके बाद युवक के गुम होने की तलाश परिजनों ने बोधघाट थाने में दर्ज कराई थी, छह दिन के बाद गुरुवार को युवक का शव पुलिस ने दलदल से बरामद किया। युवक की हत्या की खबर फैलते ही लोगों का जमावाड़ा लग गया, वही परिजनों से लेकर पुलिस के आला अधिकारियों की टीम भी मौके पर पहुंची। पुलिस के ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया और आगे की जांच शुरू की गई।

प्री नॉन-इंटरलॉकिंग के काम, अमरकंटक, बरौनी एक्सप्रेस पांच दिन बदले रूट से चलेंगी

बिलासपुर। वेस्ट सेंट्रल रेलवे जबलपुर डिवीजन के न्यू कटनी जंक्शन पर प्री नॉन-इंटरलॉकिंग, नॉन-इंटरलॉकिंग का काम होना है। इसके लिए 19 सितंबर से लेकर 4 अक्टूबर के बीच बिलासपुर जोन से चलने वाली 24 ट्रेनों को रद्द किया गया है, जबकि 6 और ट्रेनें भी प्रभावित रहेंगी। जिन ट्रेनों को रद्द किया जा रहा है, उनमें 14 डेली और 10 वीकली ट्रेनें हैं। इनमें कुछ ट्रेनें 16 तो कुछ 15 दिन, कुछ 5, कुछ 2 और कुछ एक ही दिन रद्द होगी। इस दौरान दुर्ग-भोपाल-दुर्ग अमरकंटक एक्सप्रेस और गोंदिया-बरौनी गोंदिया एक्सप्रेस को 5 दिन बदले हुए रूट से चलाया जाएगा।

पुरी-दुर्ग-पुरी एक्सप्रेस का रेढ़ाखोल रेलवे स्टेशन में ठहराव

दुर्ग। रेलवे प्रशासन द्वारा रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पूर्वी तट रेलवे के संबलपुर रेल मंडल के अंतर्गत आने वाले रेढ़ाखोल रेलवे स्टेशन में गाड़ी संख्या 18425/ 18426 पुरी-दुर्ग-पुरी एक्सप्रेस का ठहराव की सुविधा दिनांक 15 सितम्बर, 2023 से प्रदान की जा रही है। 15 सितम्बर, 2023 से पुरी से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18425 पुरीदुर्ग एक्सप्रेस का रेढ़ाखोल रेलवे स्टेशन में 00.58 बजे पहुचकर 01.00 बजे रवाना होगी। इसी प्रकार विपरीत दिशा में दिनांक 15 सितम्बर, 2023 से दुर्ग से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18426 दुर्ग पुरी एक्सप्रेस का रेढ़ाखोल रेलवे स्टेशन में 02.02 बजे पहुचकर 02.04 बजे रवाना होगी।

छत्तीसगढ़ ईस्ट रेल परियोजना : खरसिया से धरमजयगढ़ तक नई रेल लाइन

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में लगभग 6,350 करोड़ रुपए की कई रेल परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित कीं। राष्ट्र को समर्पित की गई इन रेल परियोजनाओं में पेंड्रा रोड से अनूपपुर के बीच तीसरी रेल लाइन, चांपा से जामगा के बीच तीसरी रेल लाइन एवं खरसिया से धरमजयगढ़ रेल लाइन शामिल हैं। खास बात यह है कि पीएम मोदी ने इस दौरान छत्तीसगढ़ ईस्ट रेल परियोजना के प्रथम फेज खरसिया से धरमजयगढ़ नई रेल लाइन का लोकार्पण किया। यह रेल परियोजनाएं क्षेत्र में यात्रियों की आवाजाही के साथ-साथ माल ढुलाई को सुविधाजनक बनाकर सामाजिक आर्थिक विकास को गति प्रदान करेंगी।

कार्यक्रम के दौरान सभा को संबोधित करते हुए, प्रधान मंत्री ने कहा कि 6,400 करोड़ रुपये से अधिक की रेलवे परियोजनाओं का आज लोकार्पण किया जा रहा है । ये नई रेल परियोजनाएं छत्तीसगढ़ राज्य के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होने इस अवसर पर कहा कि आज छत्तीसगढ़ के रेलवे नेटवर्क के विकास में एक नया अध्याय लिखा जा रहा है। प्रधान मंत्री ने आगे कहा कि बेहतर रेल नेटवर्क बिलासपुर-मुंबई रेल लाइन के झारसुगुड़ा बिलासपुर खंड में रेल यातायात के दबाव को कम करेगा। उन्होंने कहा, इसी तरह जो अन्य रेलवे लाइनें शुरू हो रही हैं और जो रेल कॉरिडोर बन रहे हैं, वे छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास को नई ऊंचाई देंगे।

छत्तीसगढ़ ईस्ट रेल परियोजना के प्रथम चरण को महत्वाकांक्षी पीएम गतिशक्ति मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत विकसित किया जा रहा है और इसमें खरसिया से धरमजयगढ़ तक 124.8 किलोमीटर की रेल लाइन शामिल है, जिसमें गारे-पेलमा के लिए एक स्पूर लाइन और छाल, बरौद, दुर्गापुर और अन्य कोयला खदानों को जोड़ने वाली 3 फीडर लाइनें शामिल हैं। लगभग 3,055 करोड़ रुपए की लागत से की गई यह रेल लाइन विद्युतीकृत ब्रॉड गेज लेवल क्रॉसिंग और यात्री सुविधाओं के साथ डबल लाइन से सुसज्जित है। यह छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में स्थित मांड-रायगढ़ कोयला क्षेत्रों के लिए रेल कनेक्टिविटी देगा।

दो रूटों पर 150 किमी की रेल लाइन

पेंड्रा रोड से अनूपपुर के बीच तीसरी रेल लाइन 50 किमी लंबी है और लगभग 516 करोड़ रुपए की लागत से बनाई गई है। चांपा और जामगा रेल खंड के बीच 98 किलोमीटर लंबी तीसरी लाइन लगभग 796 करोड़ की लागत से बनी है । नई रेल लाइनों से क्षेत्र में कनेक्टिविटी में सुधार होगा और पर्यटन और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के उप-मुख्यमंत्री टीएस सिंह देव, केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री रेणुका सिंह सरुता, नेता प्रतिपक्ष, छत्तीसगढ़ विधानसभा नारायण चंदेल एवं रायगढ़ सांसद, गोमती साय, सहित अन्य उपस्थित रहे।

ये कैसा परिवर्तन : यात्रा से पहले ही बदल दिए पूर्वमंत्री के समर्थक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भाजपा की परिवर्तन यात्रा को लेकर पार्टी के ही भीतर बवाल मचने लगा है। यह यात्रा 20 और 21 सितम्बर को निकाली जानी है। यात्रा के दौरान अनेक तरह की जिम्मेदारियों के लिए पूर्व में ही नाम तय किए गए थे, लेकिन ताजा घटनाक्रम के तहत अब पूर्व मंत्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय के लोगों को इन जिम्मेदारियों से किनारे लगा दिया गया है। इसकी पार्टी के भीतर जमकर चर्चा है। लोग सवाल पूछ रहे हैं कि आखिर मंत्री के समर्थकों को जिम्मेदारियों से पृथक क्यों किया गया? हालांकि जिला भाजपाध्यक्ष ने हटाए जाने की बजाए जिम्मेदारी बदलने की बात कही है। इधर, यह पता चला है कि पाण्डेय समर्थक जिन दो लोगों को परिवर्तन यात्रा की जिम्मेदारियों से हटाया गया है, उन्हें अलग से कोई और जिम्मेदारी नहीं दी गई है।

इसी महीने की 20 और 21 सितम्बर को भाजपा भिलाई संगठन जिले में परिवर्तन यात्रा निकालने जा रही है। इस यात्रा के लिए पूर्व में जो सूची तैयार की गई थी, उसमें पाण्डेय समर्थक गार्गीशंकर मिश्रा को प्रेस कांफ्रेंस और एक अन्य समर्थक पार्षद विनोद सिंह को बोजन की जवाबदारी दी गई थी। बताया जाता है कि जब जिम्मेदारियों की फेहरिश्त जारी की गई तो पाण्डेय के इन दोनों समर्थकों के नाम गायब थे। यात्रा के दौरान सभास्थल की जिम्मेदारी मंडल अध्यक्ष एसएन सिंह, दया सिंह, राजू श्रीवास्तव, मनीष अग्रवाल के अलावा पियूष मिश्रा को दी गई है।

घटना को पार्टी की आंतरिक गुटबाजी और खींचतान से जोड़कर भी देखा जा रहा है। बताते हैं कि गार्गी व विनोद सिंह दोनों ही पूर्वमंत्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय के करीबी हैं। गार्गी उनका मीडिया विभाग देखते हैं तो विनोद सिंह ने पाण्डेय के कहने पर ही कुछ समय पहले प्रदीप मिश्रा का शिव महापुराण जैसा बड़ा आयोजन कराया था।

प्रचार अमित-रिकेश तो मीडिया जेपी देखेंगे

परिवर्तन यात्रा की जिम्मेदारियों को लेकर पार्टी ने जो नई सूची जारी की है, उसमें अमित मिश्रा, रिकेश सेन व श्याम सुंदर को प्रचार-प्रसार की कमान दी गई है। इसमें समन्वयक की जिम्मेदारी जिलाध्यक्ष ब्रजेश बिचपुरिया संभालेंगे। इसके साथ ही मीडिया जय प्रकाश यादव, अमित पाहुजा, जामुल में यात्रा प्रभारी रेखराम बंछोर, जागेश्वर सोनी, दुर्ग ग्रामीण में शैलेंद्र शेंडे, मोहन देवांगन, भिलाई विधानसभा में विधानसभा प्रभारी संजय जे दानी, उपासना साहू, मनोज तिवारी, तिलकराज यादव, गजानंद बंछोर, भागचंद जैन को भी जिम्मेदारी दी गई है। भाजपा इस यात्रा को छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार के खिलाफपरिवर्तन के नाम पर निकाल रही है। इसमें जनता तक कांग्रेस सरकार की कथित वादा खिलाफी को पहुंचाया जाएगा। इस यात्रा में राज्यसभा सांसद सरोज पाण्डेय, दुर्ग सांसद विजय बघेल, पूर्व मंत्री प्रेम प्रकाश पाण्डेय, पूर्व मंत्री रमशिला साहू समेत अन्य नेता मौजूद रहेंगे।

छत्तीसगढ़ के नगरीय क्षेत्रों में आवासहीनों को मिलेगा काबिज भूमि का निशुल्क पट्टा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नगरीय क्षेत्रों में शासकीय भूमि पर 20 अगस्त 2017 से काबिज आवासहीन व्यक्तियों को शासकीय भूमि का निश्शुल्क पट्टा दिया जाएगा। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने नगरीय क्षेत्रों में आवासहीन व्यक्तियों के लिए पट्टाधृति अधिकार अधिनियम 2023 की अधिसूचना का प्रकाशन छत्तीसगढ़ राजपत्र में कर दिया गया है।

इसके मुताबिक नगर निगम क्षेत्र में आवासहीन व्यक्ति 600 वर्ग फीट और नगर पालिका, नगर पंचायत क्षेत्रों में 800 वर्ग फीट से अनधिक शासकीय भूमि के पट्टे के लिए पात्र होंगे, लेकिन जल संरक्षण अधिनियम के प्रविधानों व सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित निर्णय का पालन सुनिश्चित किया जाएगा। सभी जारी नए पट्टे निश्शुल्क होंगे और सभी प्रयोजनों के लिए इन्हें रियायती पट्टा माना जाएगा। इस पर नगरीय निकाय, संपत्ति व अन्य कर के विषय में अपनी विधियों के अंतर्गत निर्णय ले सकेगा।

डकैती के मामले में फरार नक्सली गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। बीजापुर में पुलिस लगातार नक्सल विरोधी अभियान चला रही है। इसी अभियान के तहत गुरुवार को सुरक्षाबल के जवानों ने डकैती की घटना में फरार नक्सली को 23 साल बाद गिरफ्तार किया है।

पुलिस के मुताबिक, सीआरपीएफ 170वी बटालियन और जिला पुलिस बल की संयुक्त टीम ने नक्सल विरोधी अभियान के दौरान कोत्तापल्ली से डकैती के मामले में फरार नक्सली को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किया गया गोटे लक्ष्मी नारायण पुत्र कन्हैया निवासी कोत्तापल्ली 1999 में मद्देड थाना क्षेत्र में डकैती के मामले में शामिल था। नक्सली गोटे लक्ष्मी नारायण के खिलाफ मद्देड थाने में तीन स्थाई वारंट लंबित हैं। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर स्थाई वारंटियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसमें वर्ष 1999 की घटना में शामिल लंबे समय से फरार स्थाई वारंटी को गिरफ्तार किया गया।

ग्रेटर नोएडा में बड़ा हादसा: निर्माणाधीन बिल्डिंग में पैसेंजर लिफ्ट गिरी, चार मजदूरों की मौत, पांच घायल

ग्रेटर नोएडा (एजेंसी)। ग्रेटर नोएडा में बड़ा हादसा हुआ है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के ड्रीम वैली प्रोजेक्ट में निर्माणाधीन साइट पर लिफ्ट गिरने से बड़ा हादसा हुआ है। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। जबकि पांच लोग घायल हैं। इसके साथ ही ग्रेटर नोएडा सीईओ एनजी रवि और जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा जिला अस्पताल पहुंचे हैं।

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार की सुबह ग्रेटर नोएडा वेस्ट में बिसरख कोतवाली इलाके में अमरपाली के ड्रीम वैली प्रोजेक्ट में शुक्रवार सुबह निर्माण दिन साइट पर लिफ्ट गिरने से चार लोगों की मौत हो गई। जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यहां पर उनका इलाज चल रहा है।

घटना के बाद डीएम मनीष कुमार और ग्रेटर नोएडा सीईओ रवी कुमार एनजी ने मौके पर पहुंचकर व्यवस्था का जाएजा लिया और कहा इस मामले में जो

भी दोषी है उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ड्रीम वैली प्रोजेक्ट को एनबीसीसी बनवा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर निर्माण का काम चल रहा था। मजदूरों को ऊंचाई पर ले जाने और नीचे लाने वाली ट्रॉली गिरने से हादसा हुआ है। बताया जा रहा है कि ट्रॉली में मजदूर मौजूद थे, तभी ऊपर से कोई सामान ट्रॉली लिफ्ट पर गिर गया। जिससे वह टूट गई। सस्पेंशन वायर टूटने की वजह से यह हादसा हुआ है।

एशिया कप : पाकिस्तान को हराकर श्रीलंका फाइनल में

■ आखिरी बॉल पर जीता श्रीलंका, 17 को फाइनल

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोलंबो (एजेंसी)। एशिया कप के सुपर-4 राउंड में श्रीलंका ने पाकिस्तान को दो विकेट से हराकर फाइनल में जगह बना ली है। बारिश से बाधित मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 42 ओवर के मैच में 252 रन बनाए। इसके बाद डकवर्थ लुईस नियम के तहत श्रीलंका को 252 रनों का लक्ष्य मिला। बेहद रोमांचक मैच में श्रीलंका ने पाकिस्तान को आखिरी गेंद में आठ विकेट हरा दिया। अब एशिया कप का फाइनल भारत और श्रीलंका के बीच 17 सितंबर को इसी मैदान पर खेला जाएगा।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने 42 ओवर में सात विकेट खोकर 252 रन बनाए। पाक की ओर से मो रिजवान ने नाबाद 86 रनों की पारी खेली। इफ्तिखार अहमद ने 47 रन का योगदान दिया और रिजवान के साथ शतकीय साझेदारी कर अपनी टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। अब्दुल्लाह शफीक ने भी 52 रन का योगदान दिया। श्रीलंका के लिए मथीशा पाथिराना ने तीन, प्रमोद मदुशन ने दो विकेट लिए। तीक्ष्णा और वेलालगे को एक-एक विकेट मिला।

डकवर्थ लुईस नियम के तहत श्रीलंका के सामने 252 रन का ही लक्ष्य था। ऐसे में श्रीलंकाई टीम ने आठ विकेट खोकर आखिरी गेंद में लक्ष्य हासिल कर लिया। श्रीलंका के लिए सबसे ज्यादा 91 रन कुसल मेंडिस ने बनाए। असालंका ने नाबाद 49 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई। समरविक्रमा ने भी 48 रन का योगदान दिया। पाकिस्तान के लिए इफ्तिखार अहमद ने तीन विकेट और शाहीन अफरीदी ने दो विकेट लिए। शादाब खान को एक विकेट मिला।

रिकार्ड 12 वीं बार फाइनल में पहुंचा श्रीलंका

श्रीलंकाई टीम रिकॉर्ड 12वीं बार एशिया कप के फाइनल में पहुंची है। 10वीं बार फाइनल में जगह बनाने वाली भारतीय टीम इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। एशिया कप जीतने के मामले में भी श्रीलंकाई टीम भारत के बाद दूसरे स्थान पर हैं। भारत ने सात बार एशिया कप जीता है, जबकि श्रीलंका ने छह बार यह टूर्नामेंट अपने नाम किया है।

जाके पांव न फटी बिवाई, वो क्या जाने....

श्रीकंचनपथ

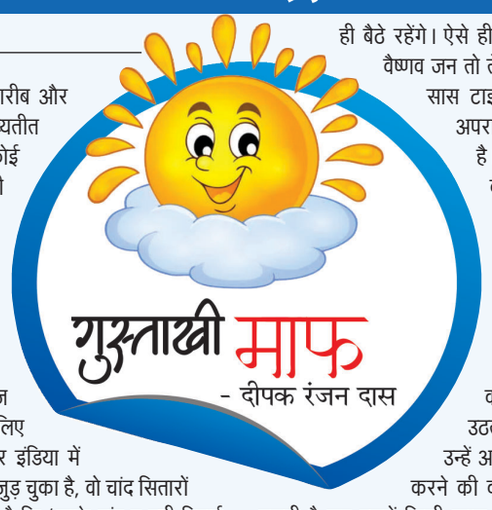

देश एक अजीब से कश्मकश में जी रहा है। गरीब और निम्न मध्यमवर्ग का आदमी किस तरह जीवन व्यतीत कर रहा है, लगता है, अब किसी को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास की छोड़िये, देश की एक बड़ी आबादी के घरों में रोटी के लिए संघर्ष शुरू हो चुका है। ऐसे में नीरो की याद आती है। नीरो रोम का सम्राट था। कहा जाता है कि जब रोम जल रहा था तो नीरो बंसी बजा रहा था। यह सच है या नहीं कहना मुश्किल है, क्योंकि इन दिनों इतिहासकारों पर ही सवाल उठने लगे हैं। पर नीरो वाले हालात आज अपने यहां भी हैं। लोग बुनियादी सुविधाओं के लिए जूझ रहे हैं और भरे पेट वाले लोग भारत और इंडिया में उलझे हुए हैं। जिनके यहां दो पीढ़ियों का सामान जुड़ चुका है, वो चांद सितारों की बातें न करें तो क्या करें? वैसे भी कहा गया है कि 'जाके पांव न फटी बिवाई, वो क्या जाने पीर पराई.' कोरोना काल में भी हमने देखा कि भारत के आदमी को इंडिया का आदमी राशन, सब्जी, सैनेटाइजर, फेस मास्क बांट रहा था। भारत और इंडिया का फर्क, पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ा है। पर अब इससे किसी को कोई फर्क नहीं पड़ता। 140 करोड़ से अधिक की आबादी है, 40-50 करोड़ लोग भूख से मरें या दंगों में, क्या फर्क पड़ने वाला है। जिनके पास सबकुछ है, वो तो सुरक्षित ही बैठे रहेंगे। ऐसे ही लोगों को गांधी से ऐतराज है। गांधी कहते थे वैष्णव जन तो तेने कहिये जे पीर पराई जाने रे। ये दकियानूसी सास टाइप के लोग हैं. इन्हें हर गलती के लिए, हर अपराध के लिए बलि का एक बकरा भर ढूंढना होता है। जिस तरह नई बहू के आने के बाद घर पर आने वाली हर विपत्ति के लिए सास बहू को जिम्मेदार ठहराती है, ठीक उसी तरह देश के हालात के लिए गांधी, नेहरू और कांग्रेस को जिम्मेदार ठहरा दिया जाता है। अपराधों पर भी अधमुंदी आंखें तभी खुलती हैं जब उसमें एक खास कौम की संलिप्तता हो. दुधमुंही बच्चियों से लेकर अबोध बालिकाओं के साथ जिनाकारी करने वालों के खिलाफ कभी वैसी आवाजें नहीं उठतीं। महिला मित्रों के साथ बदफेली करने वाले, उन्हें अमानवीय यातना देने वाले, हत्या कर लाश गायब करने की कोशिश करने वालों पर भी उनकी जुबान तभी चलती है जब उसमें किसी खास कौम का दखल हो। यह भी उसी निठल्लेपन का परिचायक है जिसमें व्यक्ति खुद कुछ नहीं करता और सारा दोष अगले में ढूंढता है। दिक्कत यह है कि ऐसे लोगों से देश ने एक परिवर्तन की उम्मीद बांधी थी। पर अब लगता है उनकी उम्मीद टूट रही है, उनका सपना टूट रहा है। राज्यों में परिवर्तन का यह दौर शुरू हो चुका है। इसे रोकने की कोशिशें भी हो रही हैं पर काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती।

हर्ष मीडिया एडवरटाईजर्स के
बढ़ते कदम....

LED SCREEN
के माध्यम से प्रचार-प्रसार के लिए
संपर्क करे

अब राजधानी रायपुर सहित
पूरे प्रदेश में....

- भगत सिंह चौक, शंकर नगर, रायपुर, जिला-रायपुर
- भगत सिंह चौक, शंकर नगर, रायपुर, जिला-रायपुर
- जयस्तंभ चौक, सिन्धु सदन, किरण होटल, रायपुर, जिला-रायपुर
- संदेश बन्धु बिल्डिंग परिसर, वीआईपी चौक मोड, वार्ड क्रमांक-51, तेलीबांधा, रायपुर, जिला-रायपुर
- पचपेड़ी नाका चौक, रायपुर, जिला-रायपुर
- मिलन स्वीट्स, रेलवे स्टेशन चौक, रायपुर
- नेशनल हाईवे-53, पावर हाउस रेलवे स्टेशन, भिलाई, जिला-दुर्ग
- पाटन पुल,उतई (मा. मुख्यमंत्री विधानसभा क्षेत्र), जिला-दुर्ग
- आकाशगंगा चौपाटी, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग
- सिरसा गेट चौक, भिलाई-3, जिला दुर्ग
- अग्रसेन चौक, बिलासपुर, जिला - बिलासपुर
- बिलासपुर रेलवे स्टेशन, टिकट काउंटर के सामने, गेट नं.-03, बिलासपुर
- बिलासपुर रेलवे स्टेशन, प्लेटफॉर्म नं.-01, गेट नं.-04, बिलासपुर
- पड़ाव चौक, मुंगेली, जिला-मुंगेली
- दाऊपारा चौक, मुंगेली, जिला-मुंगेली

Harsh Media Advertisers

Contact_-
9303289950
9131425618
9827806026

शॉप-12, प्रेस परिसर, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग
शहीद भगत सिंह चौक, शंकर नगर, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)

संपादकीय

अब आतंक का अंत हो

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में दो सम्मानित सैन्य अधिकारियों और एक पुलिस उपाधीक्षक का शहीद होना जितना दुखद है, उतना ही चिंताजनक भी। आमतौर पर आतंकियों की हिम्मत सैन्य अधिकारियों पर हाथ डालने की नहीं होती है, पर इस बार आतंकियों ने जो दुस्साहस दिखाया है, उन्हें बेशक, बहुत भारी पड़ने वाला है। उस सत्ता प्रतिष्ठान को भी चुनौती मिली है, जो लगातार यह दावा कर रहा था कि कश्मीर में हिंसा घट गई है। अब 19 राष्ट्रीय राइफल्स के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल मनप्रीत सिंह, उसी बटालियन के मेजर आशीष धौनक और डीएसपी हुमायूं मुजामिल भट का न होना इस बात का सुबूत है कि घाटी में बचे चंद आतंकियों का दुस्साहस बढ़ गया है। पिछली बार करीब तीन साल पहले कमांडिंग ऑफिसर कर्नल आशुतोष शर्मा की शहादत को सेना अभी भूली नहीं है। जमीनी स्तर पर सेना का जो ढांचा होता है, उसमें किसी कमांडिंग ऑफिसर को निशाना बनाना बहुत बड़ी घटना होती है। इन अधिकारियों की शहादत इसलिए भी बहुत गंभीर है कि ये तीनों बहुत साहसी थे, वीरता पदक से सम्मानित थे और हमेशा आगे बढ़कर आतंकवाद विरोधी अभियानों का नेतृत्व करते थे। कोई शक नहीं कि आतंकियों के जिस गिरोह ने हिमाकत की है, उसका अंत सुनिश्चित है। जब कश्मीर में समावेशी विकास की धारा चल पड़ी है, तब जो तत्व अमन-चैन को चुनौती दे रहे हैं, उन्हें कतई खुला नहीं छोड़ना चाहिए। यह कश्मीर में बचे हुए शैतानी तत्वों के साथ शून्य सहिष्णुता दिखाने का समय है। उन्हें कश्मीर में किसी भी स्थान पर अड्डा बनाने या छिपने का मौका नहीं दिया जा सकता। आतंकियों ने बहुत साजिश के साथ इस मुठभेड़ को अंजाम दिया है। आमतौर पर सेना की अगर किसी इलाके में सक्रियता बढ़ती है, तो आतंकी उस इलाके को छोड़ देते हैं, लेकिन अगर आतंकियों ने मुठभेड़ का जुर्रत की है, तो इसके पीछे की पूरी साजिश की पड़ताल जरूरी है। तमाम संभावनाओं और आशंकाओं को खंगालना चाहिए। भारत ने जी-20 का सफल आयोजन किया है। आने वाले दिनों में भारत में चुनाव होंगे, कश्मीर में भी चुनाव की घोषणा किसी भी समय हो सकती है। ऐसे में, आतंकियों और उनके नापाक आकाओं को जरूर परेशानी हो रही होगी। पड़ोसी देश से आतंकियों को इशारा किया गया होगा कि कुछ ऐसा करो कि जी-20 के समय में पूरी तरह नदारद कश्मीर का मुद्दा वापस चर्चा में आ जाए। आशंका यह भी जताई जा रही है कि ताजा मुठभेड़ में दुस्साहस दिखाने वाले आतंकी विदेशी हैं, अगर ऐसा है, तो प्रमाण के साथ दुश्मनों को चेतावनी देनी चाहिए। युद्ध आतंकियों के लिए फायदे का हो सकता है, पर भारतीय सेना के लिए सीधा युद्ध ही एकमात्र रास्ता है। सीधे वार से ही आतंकी नेटवर्क की कमर टूटनी चाहिए। कश्मीर में कोई जंगल या इलाका ऐसा छूटना नहीं चाहिए, जहां आतंकियों के छिपने की आशंका हो। सेना इस दिशा में पुलिस के साथ मिलकर काम कर रही है और अब इस काम में ज्यादा तेजी लाने की जरूरत है। अगर आतंकियों का कोई ऐसा समूह खड़ा हो गया है, जो केवल सैन्य जवानों को ही निशाना बना रहा हो, तो ऐसे समूह का सक्रिय रहना वैसे भी उचित नहीं है। अब समय आ गया है, जब कश्मीर में बचे हुए आतंकवाद के अंत के लिए सेना और पुलिस बल अपनी कमियों-कमजोरियों पर पूरी तरह से लगाम लगाते हुए अपने सर्वश्रेष्ठ संसाधनों का इस्तेमाल करें।

> पड़ोसी देश से आतंकियों को इशारा किया गया होगा कि कुछ ऐसा करो कि जी-20 के समय में पूरी तरह नदारद कश्मीर का मुद्दा वापस चर्चा में आ जाए। आशंका यह भी जताई जा रही है कि ताजा मुठभेड़ में दुस्साहस दिखाने वाले आतंकी विदेशी हैं, अगर ऐसा है, तो प्रमाण के साथ दुश्मनों को चेतावनी देनी चाहिए। युद्ध आतंकियों के लिए फायदे का हो सकता है, पर भारतीय सेना के लिए सीधा युद्ध ही एकमात्र रास्ता है।

नागरिकों का प्रजा में बदल जाना

सामंती और लोकतांत्रिक व्यवस्था में बुनियादी फर्क यह है कि लोकतंत्र में नागरिक होते हैं, जिनको संविधान से अधिकार मिले होते हैं और शासक उनकी जनरल विल यानी सामान्य इच्छा का प्रतिनिधित्व करते हैं, जबकि सामंती व्यवस्था में प्रजा होती है, जो राजा या सामंत की मर्जी का दास होती है। उसकी सामान्य इच्छा का कोई मतलब नहीं होता है। वहां राजा या सामंत सीधे भगवान का अवतार होता है। राज्य के उत्पत्ति के दैवीय सिद्धांत में इस बारे में विस्तार से बताया गया है। इसके मुताबिक राजा ईश्वर द्वारा चुना गया होता है। अच्छा राजा जनता के अच्छे कर्मों का प्रतिफल होता है और बुरा राजा उसके बुरे कर्मों की सजा देने के लिए होता है। आजादी के बाद भारत में लोकतंत्र अपनाया गया और एक भारी-भरकम संविधान भी बना, जिसमें नागरिकों को कई अधिकार दिए गए। सिद्धांत रूप में शासक को संविधान, संसद और जनता के प्रति जवाबदेह बनाया गया लेकिन धीरे धीरे शासक राजा बनता गया और नागरिकों को प्रजा में बदल दिया गया।

वैसे यह प्रक्रिया तो आजादी के बाद से ही चल रही थी लेकिन पिछले कुछ समय से नागरिकों को प्रजा में बदलने की प्रक्रिया तेज हो गई है। पिछले दिनों रक्षाबंधन के मौके पर केंद्र सरकार ने घरेलू रसोई गैस सिलिंडर की कीमत में दो सौ रुपए की कमी की और उसके बाद कई तरह से यह बताया गया कि प्रधानमंत्री ने देश की बहनों को रक्षाबंधन की सौगात दी है। सोचें, क्या लोकतंत्र में इस तरह की शब्दावली के बारे में सोचा भी जा सकता है? सामंती व्यवस्था में इस तरह से राजा तीज-त्योहार या अपने जन्मदिन वगैरह के मौके पर सौगात बांटते थे। राजा खुश होता था तो प्रजा को उपहार दिए जाते थे। मोती लुटाए जाते थे। वही व्यवस्था अब भारत में लौट आई। यह सिर्फ केंद्र सरकार या प्रधानमंत्री की बात नहीं है। सभी पार्टियों की सरकारें यह काम कर रही हैं। सब नागरिक को पौनी प्रजा बनाने में लगे हैं। सब उपहार बांट रहे हैं। कोई महिलाओं को उपहार बांट रहा है तो कोई युवाओं को। कोई किसानों को सौगात बांट रहा है तो कोई छात्रों को। साथ ही यह भी बताया जा रहा है कि अमुक राजा साहेब की ओर से यह सौगात दी गई है इसलिए जनता को उनका आभारी होना चाहिए, उनका धन्यवाद करना चाहिए और उनको चुनाव में वोट देना चाहिए। अभी भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार सामग्री जारी करने के क्रम में प्रधानमंत्री का एक पोस्टर जारी किया, जिसमें वे पगड़ी बांधे हुए लंबे डग भर रहे हैं और नीचे लिखा गया- भारत भाग्य विधाता! भाजपा ने प्रधानमंत्री को भारत भाग्य विधाता बना दिया! पांच हजार साल के इतिहास वाले देश और 140 करोड़ लोगों की आबादी के भाग्य विधाता प्रधानमंत्री हो गए! वह प्रधानमंत्री, जो खुद को कभी प्रधान सेवक कहते हैं, कभी चौकीदार कहते हैं तो कभी फकीर कहते हैं। उनको उनकी पार्टी भारत भाग्य विधाता बता रही है! रघुवीर सहाय की मशहूर कविता याद आ रही है- राष्ट्रगीत में भला कौन वह भारत भाग्य विधाता है, फटा सुथन्ना पहने जिसका गुन हरचरना गाता है। मखमल टमटम बल्लम तुरही पगड़ी छत्र चंवर के साथ, तोप छुड़ाकर ढोल बजाकर जय-जय कौन कराता है। कितना दुर्भाग्य है कि कहां तो देश के 140 करोड़ लोगों को भारत का भाग्य विधाता होना था लेकिन उनकी सामान्य इच्छा से चुना गया शासक भारत भाग्य विधाता बन गया!

प्रधानमंत्री या भारतीय जनता पार्टी अपवाद नहीं है। हर राज्य का मुख्यमंत्री छोटा मोटा भाग्य विधाता है। प्रधानमंत्री देश के 140 करोड़ लोगों के भाग्य विधाता हैं तो अरविंद केजरीवाल दिल्ली व पंजाब के लोगों के भाग्य विधाता हैं। शिवराज सिंह चौहान मध्य प्रदेश के तो अशोक गहलोत राजस्थान के लोगों के भाग्य विधाता हैं। देश का हर मुख्यमंत्री इन दिनों भाग्य विधाता बना है।

> आतंकी कम होते जाते हैं, तो आपकी खुफिया सूचनाएं भी घटती जाती हैं और समाज में सामान्य स्थिति लौटने पर आबादी में आतंकियों का शामिल हो जाना आसान हो जाता है। आतंकी सावधानी से लक्ष्य चुनते और बनाते हैं। अकेला पुलिसकर्मी, अल्पसंख्यक और छुट्टी पर गए सैनिक मुख्य निशाने पर होते हैं। मौजूदा सुरक्षा संसाधनों के तहत हर किसी को सौ प्रतिशत सुरक्षा की गारंटी नहीं दी जा सकती।

कश्मीर में दहशतगर्दी के बुझते अंगारे

सैयद अता हसनैन, लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड)

ये आतंकवाद के बुझते अंगारे हैं। अनुच्छेद 370 हटाने के बाद के चार साल में हमने पाकिस्तान के छद्म युद्ध नेटवर्क को बेअसर करने, घुसपैठ को कम करने और त्वरित गति से विकास पर ध्यान केंद्रित करके एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। हालांकि, जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान की छद्म युद्ध क्षमता को पूरी तरह खत्म करने में हमें कुछ और समय लगेगा।

कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष धौनक और डीएसपी हुमायूं भट का शहीद होना देश के लिए बड़ी दुखद खबर है। पुख्ता खुफिया सूचना के बाद खोज शुरू की गई थी। दुर्भाग्य से ऐसे ऑपरेशनों में गोलीबारी की पहल हमेशा आतंकियों की ओर से होती है, क्योंकि वे घात लगाए होते हैं और सेना आगे बढ़ रही होती है। इस बार जैसे ही सामना हुआ, शुरुआत में ही हमने इन वरिष्ठ अधिकारियों को खो दिया। यह एक प्रमाण है कि सेना के हमारे अधिकारी हमेशा आगे बढ़कर नेतृत्व संभालते हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण क्षति है, पर यह सुरक्षा के ग्राफ पर एक बिंदु मात्र है। अब सेना सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करेगी कि जिम्मेदार आतंकी समूह को जल्द से जल्द नेस्तनाबूद कर दिया जाए।

गौर कीजिए, पाकिस्तान द्वारा शुरू किए गए छद्म युद्ध के शुरुआती दौर में जब जम्मू-कश्मीर में 3,000 से अधिक आतंकी थे। सेना कई बार 1:9 का अनुपात हासिल कर लेती थी, मतलब हमारे द्वारा खोए गए प्रत्येक सैनिक के जवाब में नौ आतंकियों को ढेर किया जाता था। जैसे-जैसे आतंकियों की ताकत घटी, यह अनुपात भी घटा; 1:3 के पास पहुंच गया। साल 2017 में या उसके आसपास हम 1:1.5 के अनुपात पर पहुंच गए थे। यह एक अपेक्षित घटना है। आतंकियों की ताकत और तादाद कम होने से सेना को कड़ी मशक्कत करनी पड़ती है और इस दौरान तुलनात्मक रूप से हताहतों की संख्या कभी-कभी बढ़ जाती है और चिंता का कारण बन जाती है। विगत चार वर्षों में आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई में शहीद हुए लगभग सौ सैनिकों का आंकड़ा सुबूत है कि पाकिस्तान की छद्म युद्ध क्षमता को समाप्त करने के लिए सुरक्षा बल व्यापक प्रयास में लगे हैं।

दरअसल, आतंकवाद को देखने के दो तरीके हैं; पहला पेशेवर सैनिक के नजरिये से और दूसरा एक आम नागरिक के दृष्टिकोण से। आम नागरिक खतरों की प्रकृति और प्रभाव से बहुत परिचित नहीं होते, तो आलोचना भी कर देते हैं। हालांकि, पेशेवर नजरिये से मैं बता दूं कि 1998-99 के एक चरण में मैंने उसी कोकेरनाग क्षेत्र में सैन्य संचालन का निरीक्षण और समन्वय किया था, जहां हालिया घटना हुई है। मैं सभी साइटों पर शूटआउट सहित एक दिन में लगभग 8-10 ऑपरेशन संभालता था। अब तो एक महीने या उससे अधिक समय में एक या दो प्रत्यक्ष ऑपरेशन होते हैं। इससे पता चलता है कि आज चीजें कितनी नियंत्रण में हैं। फिर भी, आखिरी दहशतगर्द का सफाया करने में समय लगेगा। आतंकवाद का 95 प्रतिशत उन्मूलन अगले या अंतिम पांच प्रतिशत अन्मूलन की तुलना में आसान है।

आतंकी कम होते जाते हैं, तो आपकी खुफिया सूचनाएं भी घटती जाती हैं और समाज में सामान्य स्थिति लौटने पर आबादी में आतंकियों का शामिल हो जाना आसान हो जाता है। आतंकी सावधानी से लक्ष्य चुनते और बनाते हैं। अकेला पुलिसकर्मी, अल्पसंख्यक और छुट्टी पर गए सैनिक मुख्य निशाने पर होते हैं। मौजूदा सुरक्षा संसाधनों के तहत हर किसी को सौ प्रतिशत सुरक्षा की गारंटी नहीं दी जा सकती। वैसे, अब आतंकवाद बड़ा खतरा बनने की स्थिति में नहीं है। अब इसको पूरी तरह से बेअसर करने का सबसे अच्छा तरीका उन सभी नेटवर्कों को खत्म करना है, जो आतंकियों को सक्षम बनाते हैं। ये नेटवर्क हैं- वित्तीय, राष्ट्र-विरोधी मीडिया, ओजीडब्ल्यू, नशीले पदार्थ, वैचारिक (जैसे प्रतिबंधित चरमपंथी समूह) और पत्थरबाज। ये सब मिलकर आतंकवाद के लिए माहौल बनाते हैं, अगर खुफिया सेवाएं और एसएफसक्रिय रहें, तो ये तत्व सिर नहीं उठा सकते। जम्मू-कश्मीर में असली ताकत का केंद्र अवाम या लोग हैं। आतंकवाद के चरम के दौरान खोई उनकी गरिमा को बहाल करने पर भी ध्यान देने की जरूरत है। बेशक, स्थानीय स्तर पर आतंकियों का पैदा होना कम हुआ है। नकारात्मक भावनाओं को बढ़ाने वाले कारकों में कमी आई है। अब विदेशी और स्थानीय आतंकियों के सार्वजनिक अंतिम संस्कार की अनुमति नहीं है। अब जम्मू-कश्मीर में नौजवानों को सशक्त बनाने की कोशिशें तेज हो गई हैं। हालांकि, हमारी अपेक्षाएं यथार्थवादी होनी चाहिए। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जो 30 वर्ष से भी अधिक समय से असहज रहा है और नौजवानों की एक पूरी पीढ़ी वहां विकसित हुई है, वह इतनी आसानी से नकारात्मक विचारों से दूर नहीं होगी। हमें इसे समय देना चाहिए। देशभक्ति बढ़ाने के प्रयास जारी रखने चाहिए। प्रभावशाली वक्ताओं, लेखकों और बुद्धिजीवियों को उनसे संवाद करना चाहिए।

कश्मीर बहुत बदल गया है। उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा एक सक्षम प्रशासक हैं और उनका दिल व दिमाग सही जगह पर हैं। उन्होंने कुछ बेहतरीन विकास योजनाओं के जरिये अपने प्रशासन को काफी सशक्त बनाया है, जिससे काफी कुछ हासिल हो रहा है। हालांकि, हमें युवाओं के मन से आजादी की संभावना के विचार को खत्म करने पर काम करना चाहिए। उन्हें कई वर्षों से नकारात्मकता की खुराक पिलाई गई है। यह कोई ऐसा लक्ष्य नहीं है, जिसे रातोंरात हासिल कर लिया जाए। कश्मीर और उसके लोगों को संभालने की दिशा में संयम एक गुण है। हमारा मीडिया इसे हासिल करने में काफी मदद कर सकता है। हिंसा में भारी कमी आई है, पर मैं लंबे समय से चली आ रही एक कहावत पर कायम हूं- हिंसा का न होना सामान्य स्थिति नहीं है। आतंकियों की कम मौजूदगी से सुरक्षा की जरूरत कम नहीं हो जाती है। पिछले तीस वर्षों में हमने बहुत कुछ सीखा है। हम इन वर्षों के सबक को न भूलें। हमें कश्मीर में पर्यटन और व्यवसाय की वापसी का जश्न जरूर मनाना चाहिए, पर यह भी ध्यान रखना चाहिए कि सतर्कता थोड़ी भी घटी, तो कुछ ही क्षणों में सब कुछ गायब हो सकता है। जम्मू-कश्मीर में उभरती शांति बहुत खून-पसीने और आंसुओं से हासिल की गई है, इसलिए आज के निर्णायकों को अतीत के अनुभव से सीखना चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

बढ़ती वायरल बीमारियों के बीच निपाह वायरस का खतरा

चंद्रकांत लहारिया, वरिष्ठ चिकित्सक

केरल के कोझिकोड जिले में निपाह वायरस से दो लोगों की मौत की खबर है। वर्ष 2018 के बाद से, जब केरल में पहली बार इस वायरस से 23 लोगों के संक्रमित होने और 21 मौतों का पता चला था, यह चौथा मौका है, जब यह बीमारी उभरी है। इससे पहले यह वायरस 2001 और 2007 में पश्चिम बंगाल में फैल चुका है। ताजा संक्रमण अभी चिंताजनक नहीं है। स्वास्थ्य विभाग संजीदा है और संक्रमित क्षेत्रों की घेराबंदी कर जांच-पड़ताल कर रहा है। वैसे भी, बीते कुछ वर्षों में हमने निपाह वायरस को रोकने का अनुभव हासिल कर लिया है। मगर भविष्य की चुनौतियों के लिए हमें तैयार रहना होगा।

निपाह वायरस की पहचान सबसे पहले 1998 और 1999 में मलेशिया में हुई थी। वहां निपाह नामक इलाके में मिलने से इस वायरस को यह नाम दिया गया। तब से सिंगापुर, बांग्लादेश और भारत जैसे कई अन्य देशों में भी इसके मामले सामने आते रहे हैं। भले ही बीमारी अधिक नहीं फैली है, लेकिन यह वायरस कंबोडिया, घाना, इंडोनेशिया, मेडागास्कर, फिलीपींस और थाइलैंड जैसे कई देशों के चमगादड़ों में प्राकृतिक रूप से पाया गया है। निपाह एक जूनोटिक बीमारी है, जिसका वायरस चमगादड़ों में पलता-बढ़ता है और सूअर या घोड़े जैसे मध्यवर्ती मेजबान के माध्यम से इंसानों तक पहुंचता है। बेशक, इसका संचरण जानवरों से इंसानों में होता है, लेकिन प्रसार मानव से मानव में होता रहता है। इसके लक्षण किसी भी अन्य वायरल श्वसन बीमारी जैसे होते हैं। अभी तक इससे बचने के लिए कोई लाइसेंस प्राप्त टीका नहीं है और न ही कोई खास उपचार। इसमें अमूमन लक्षणों का ही इलाज किया जाता है।

हाल-फिलहाल भारत में जीका, नोरो समेत कई वायरस का प्रकोप देखने को मिला है। यह संकेत है कि जूनोटिक बीमारियां अब अधिक फैलने लगी हैं। सवाल यह है कि अधिकांश नए प्रकोप केरल या अन्य दक्षिणी राज्यों में ही क्यों

फैलते हैं, उत्तर भारतीय राज्यों में क्यों नहीं? संभव है, कुछ बीमारियां उत्तर भारत में भी फैल रही हों, लेकिन केरल में मजबूत व संवेदनशील स्वास्थ्य निगरानी तंत्र इनको जल्दी पहचान लेता है। जाहिर है, हमें देश के सभी राज्यों में रोग निगरानी प्रणाली और स्वास्थ्य डाटा रिकॉर्डिंग व रिपोर्टिंग सिस्टम को मजबूत करना होगा। महामारी के दौरान कोविड-19 के लिए प्रयोगशालाएं स्थापित की गई थीं, उनकी क्षमता का उपयोग अन्य उभरते संक्रमणों के परीक्षण के लिए किया जाना चाहिए। यह समय जूनोटिक बीमारियों के खिलाफ संयुक्त कार्ययोजना विकसित करने और सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यों के लिए जिम्मेदारियों को साझा करने के वास्ते राज्य सरकार व नगर निगम के बीच समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करने का भी है। चमगादड़ों आदि पर अधिक शोध भी होने चाहिए। कोविड-19 में चमगादड़ों पर चल रहा अनुसंधान काफी विवादों में रहा था, लेकिन ऐसे शोध इसलिए जरूरी हैं, क्योंकि चमगादड़ निपाह सहित कई ज्ञात-अज्ञात वायरस के भंडार होते हैं।

दुर्लभ बीमारियों के उभरने की खबरों के बीच हम अक्सर अन्य वायरल रोगों को भूल जाते हैं, जो आम होते हैं, फिर भी नजरंदाज कर दिए जाते हैं। जैसे, इस साल डेंगू का खासा प्रसार देखने को मिल रहा है। दिल्ली-एनसीआर के क्षेत्रों में इसके कई मामले सामने आ चुके हैं। चिकनगुनिया भी एक अन्य वायरल बीमारी है। देखा जाए, तो बीते कुछ महीनों में फ्लू वायरस, सार्स सीओवी-2 व अन्य वायरस द्वारा श्वसन संबंधी बीमारियां बढ़ी हैं। इनकी निगरानी मजबूत करने की जरूरत है।

वायरल रोगों का उद्भव और पुन: उभार आंशिक रूप से अपरिहार्य है, लेकिन जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई, ग्लोबल वार्मिंग, एंटीबायोटिक का दुरुपयोग आदि का मतलब है कि और भी बीमारियां मानवता को परेशान करती रहेंगी। ऐसे में, एक मजबूत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली, महामारी विज्ञान के सिद्धांतों का व्यावहारिक प्रयोग और डाटा के विश्लेषण से ऐसे वायरसों का प्रभाव कम किया जा सकता है। बीते कुछ वर्षों से 'वन हेल्थ' (एक स्वास्थ्य) की अवधारणा पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है, जो इस बात पर जोर देती है कि मानव, जीव-जंतु और पर्यावरण के स्वास्थ्य आपस में जुड़े हुए हैं। अगर हम ऐसी बीमारियों का प्रकोप कम करना चाहते हैं, तो हमें समग्रता में काम करना होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

विविधता की शक्ति या एकता का माध्यम-हिंदी

अतुल मलिकराम (राजनीतिक रणनीतिकार)

कुछ दिनों पहले अखबार में हिंदी को लेकर एक आर्टिकल पढ़ा कि हिंदी को राष्ट्रभाषा घोषित कर देना चाहिए। अनायास ही मेरे मुंह से निकला- वाह! यदि ऐसा होना चाहिए, तो जिस भारत की परम्परा विविध सभ्यताओं और भाषाओं वाली है, उसका क्या? किसी विशेष क्षेत्र की भाषा, रीति-रिवाज को अन्य क्षेत्रों की भाषा या रीति-रिवाजों से केंद्र द्वारा अधिक महत्व देना, देश की एकता पर आघात करने जैसा है। भारत अनेकताओं में एकता वाला देश है। हमारे संविधान में कहीं भी राष्ट्रभाषा का जिक्र तक नहीं है। अक्सर लोग ऐसे विचार भावनात्मक या फिर राजनैतिक आधार पर रखते हैं। पर उसके परिणाम के विषय में तनिक भी नहीं सोचते।

राष्ट्रभाषा बनाने से अधिक महत्वपूर्ण है हिंदी भाषियों द्वारा हिंदी का प्रयोग। मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि किसी भी हिंदी भाषी से आप पूछेंगे कि क्रिकेट को हिंदी में क्या बोलते हैं? तो वह 'गोलगट्टम लकड़ पट्टम दे दनादन प्रतियोगिता' नहीं बता पाएगा। इतनी हिंदी, हिंदी भाषी को पता होगी? और मोटरसाइकिल को हिंदी में क्या कहेंगे? 'यंत्र चालक द्वीपथ गामिनी' और पंप को वायु ठूसक यंत्र, अलमारी, रेल इत्यादि। ऐसे अनेक उदाहरण मिल जाएँगे, जो शब्द हिंदी नहीं हैं, लेकिन हम इन्हें आम बोलचाल में उपयोग करते आ रहे हैं।

ऐसी परिस्थिति में जब हिंदी भाषियों ने हिंदी पढ़ना या लिखना बंद कर दिया है, और इसके बाद आता है समझना, तो समझ तो हम इतने अच्छे से रहे हैं कि बेकार में हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने की माँग करके देश को तोड़ने का कार्य भी बड़ी कुशलता से कर रहे हैं। हम स्वयं तो हिंदी पढ़ेंगे या लिखेंगे नहीं, लेकिन दूसरों को अवश्य पढ़वाएँगे। हिंदी प्रदेशों में कोर्ट कचहरी, बैंक, मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई, अखबार, सरकारी अनुबंध इत्यादि के काम अंग्रेजी में हो रहे हैं। नौकरी अंग्रेजी से मिल रही है। तो हमारा संघर्ष अंग्रेजी से होना चाहिए भारतीय भाषाओं से नहीं। मराठी, दक्षिणी भाषी या बंगाली को हिंदी का राष्ट्रभाषा बनना कतई स्वीकार्य नहीं होगा और इसकी आवश्यकता भी क्यों है? मेरे हिसाब से तो यह फलतू के मुद्दें हैं, जिन्हें उठाना ही नहीं चाहिए।

2030 के भारत के रूप में अगर हम हिंदी को बढ़ते हुए देखना चाहते हैं, तो हमें हिंदी विशेषज्ञों को बैठाकर आसान और उच्च स्तर के शब्द ईजाद करने होंगे। जब तक हम आसान शब्दकोश नहीं लाएँगे, तब तक हिंदी को विस्तृत नहीं कर पाएँगे। हिंदी को कई भाषाओं के शब्दों को आत्मसात करना होगा और सबसे महत्वपूर्ण बात कि पहले हिंदी राज्यों में ठीक से हिंदी का प्रयोग हो। हमारे अपने जीवन में हिन्दी का प्रयोग हो, फिर राष्ट्रभाषा क्या, विश्वभाषा की सोचिए।

करीब आए भारत और सऊदी

सऊदी अरब के प्रिंस मोहम्मद-बिन-सलमान की भारत यात्रा से यह साफ हुआ है कि आर्थिक संबंध के क्षेत्र में विभिन्न देशों की बदलती प्राथमिकताओं के बीच भारत को अपने देश के लिए वे एक महत्त्वपूर्ण स्थल मान रहे हैं। सऊदी अरब उन देशों में है, जो अंतरराष्ट्रीय व्यापार बड़े मुनाफे की स्थिति में रहते हैं। जाहिर है, इसका कारण सऊदी अरब की तेल संपदा है। प्रिंस सलमान की खूबी यह है कि हाथ में सत्ता आने के बाद से उन्होंने दूरदर्शी नजरिया अपना रखा है। वे जानते हैं कि जीवाश्म ऊर्जा की बदौलत उनका देश हमेशा समृद्ध नहीं बना रहेगा। इसलिए वे निवेश के विभिन्न क्षेत्रों को तलाश रहे हैं। उनकी भारत यात्रा भी इसी तलाश का हिस्सा है। जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान पत्रकारों से बातचीत में सलमान कहा कि पांच साल के अंदर पश्चिम एशिया 'अगला यूरोप' हो जाएगा। जाहिर है, इसमें आधुनिक तकनीक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस लिहाज से भारत के तकनीक-कर्मी सऊदी अरब के लिए बड़े फायदे का पहलू हो सकते हैं। इसके अलावा इस समय दुनिया में ट्रेंड अमेरिका के बॉन्ड और ट्रेजरी बिल से पैसा निकालने का है। सऊदी अरब ने गुजरे आठ महीनों में अमेरिका में अपना निवेश 41 प्रतिशत घटाया है। तो अब उसके सामने सवाल यह है कि अपना पैसा कहां लगाए। चीन उसका एक मुकाम है। साथ ही वह दूसरे स्थलों की तलाश में है। भारत में 100 बिलियन डॉलर निवेश करने के उसके एलान को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। असल में कितना निवेश आएगा, यह भारत की अपनी परिस्थितियों पर निर्भर करेगा। इन 100 में 50 बिलियन डॉलर के निवेश की घोषणा सऊदी अरब ने 2019 में की थी। यह महाराष्ट्र में रिफाइनरी बनाने में होनी है। मगर चार साल से बात सिर्फ इरादो तक है। सऊदी अरब से भारत का सालाना कारोबार पिछले वित्त वर्ष में 29.28 बिलियन डॉलर का था। इसमें 22.65 डॉलर का भारत ने आयात किया था। यानी सऊदी अरब को भारी मुनाफा है। ऐसे में अगर वह निवेश करता है, तो यह भारत के फायदे में होगा। अब यह भारत पर है कि वह कितना फायदा उठा पाता है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

बीएसपी में हिंदी दिवस एवं राजभाषा पखवाड़ा का आयोजन

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के राजभाषा विभाग द्वारा 14 सितंबर 2023 को हिंदी दिवस मनाया गया। इसके साथ ही राजभाषा पखवाडा का आयोजन किया जा रहा है, जिसका वर्चुअल उद्घाटन समारोह, कार्यकारी कार्यपालक निदेशक निशा सोनी के मुख्य आतिथ्य एवं मुख्य महाप्रबंधक संदीप माथुर के विशिष्ट आतिथ्य में कार्यपालक निदेशक सभागार में संपन्न हुआ। इस समारोह में कार्यपालक निदेशकगण, मुख्य महाप्रबंधकगण, हिंदी समन्वय अधिकारीगण एवं अन्य उच्च अधिकारीगण के अलावा अन्य संयंत्रकर्मी सहित हिंदी प्रेमीजन ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सम्मिलित हुए थे। आरम्भ में महाप्रबंधक प्रशांत तिवारी ने सभी अतिथियों का किताब भेंटकर स्वागत किया एवं वरिष्ठ प्रबंधक शैलेन्द्र ढोके ने स्वागत भाषण दिया। उप महाप्रबंधक एवं हिंदी समन्वय अधिकारी शमशाद रजा ने खनिज नगरी राजहरा तथा खदान क्षेत्रों में राजभाषा पखवाड़ा एवं हिंदी दिवस समारोह के विषय में अवगत कराया। उद्घाटन समारोह में संयंत्रकर्मी कवयित्री एवं उप महाप्रबंधक स्मिता जैन, वरिष्ठ प्रबंधक मनीष कुमार शुक्ला एवं मास्टर ऑपरेटिव कम टेक्नीशियन अनिल कुमार अग्रवाल द्वारा राष्ट्रप्रेम व राजभाषा हिंदी पर केन्द्रित स्वरचित कविताओं का पाठ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमती निशा सोनी ने राजभाषा पखवाड़ा के पोस्टर का विमोचन किया, साथ ही उन्होंने हिंदी दिवस को अविस्मरणीय बनाने के लिए जनसंपर्क विभाग द्वारा निर्मित ई-ग्रीटिंग का भी विमोचन किया।

नैसर्गिक कोसा से दो लाख से अधिक लोगों को रोजगार

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व और ग्रामोद्योग मंत्री गुरु रुद्रकुमार के निर्देशन में विगत पौने पांच साल में रेशम प्रभाग ने दो लाख से लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया है। रेशम प्रभाग में संचालित नैसर्गिक टसर बीज प्रगुणन एवं संग्रहण कार्यक्रम अंतर्गत 2 लाख 5 हजार 565 लोगों को नियमित रोजगार मिला है। इस योजना अंतर्गत 6386.56 लाख नग नैसर्गिक टसर का ककून का उत्पादन किया गया है। जिससे एक लाख 9 हजार 856 अनुसूचित जनजाति और 19 हजार 196 अनुसूचित जाति के लोगों को रोजगार मिला है। राज्य के दंतेवाड़ा, जगदलपुर (बस्तर), उत्तर बस्तर के तहत कोण्डागांव, नारायणपुर, कांकेर तथा धमतरी, रायपुर, राजनांदगांव, कबीरधाम, दुर्ग, कोरबा, जशपुर, कोरिया जिला वनों से आच्छादित क्षेत्र है। इन सभी जिलों में मूलत: अनुसूचित जाति, जनजाति के परिवार निवास करते है जो कि समाज की मुख्य धारा से जुड़े गए हैं। इन लोगों को शासन द्वारा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से स्वरोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर रेशम पालन को कृषि का दर्जा मिला है। इससे रेशम पालन को बढ़ावा मिलेगा। वनांचल के सभी जिलों में नैसर्गिक कोसा उत्पादन के संग्रहण के माध्यम से अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लोगों द्वारा आर्थिक लाभ अर्जित किया जा रहा है। इस दिशा में ग्रामोद्योग संचालनालय द्वारा प्राकृतिक वन क्षेत्रों में नैसर्गिक बीज का प्रगुणन कर उसे सघन वन क्षेत्रों में फैलाया जाता है, जिससे वनवासी हितग्राहियों द्वारा नैसर्गिक कोसा संग्रहण कर आय का एक अतिरिक्त साधन प्राप्त कर सकें। इस क्षेत्र में निवासरत् परिवार मूलत: वनों पर आधारित उपज का विपणन कर अपना जीविकोपार्जन करते हैं। उक्त सभी जिलों के वन खण्डों में प्राकृतिक रूप से साल, साजा, सेन्हा, धौरा, बेर के वृक्ष प्रचुर मात्रा में पाये जाते हैं।

सुंदर और स्मार्ट सड़क बनेगा खुर्सीपार का एमपीआर रोड विधायक देवेन्द्र यादव की पहल पर बन रहा है हाई टेक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रदेश का सबसे सुंदर, स्मार्ट और हाईटेक सड़क भिलाई में बनने को जा रहा है। एमपीआर रोड खुर्सीपार में ऐसा एक सड़क बनाया जाएगा जो शायद ही अब तक प्रदेश में भी कही बना हो। । लेकिन भिलाई नगर के युवा विधायक देवेन्द्र यादव जो हमेशा अपने विजन, दूरदर्शिता, कर्मठता, जनता के प्रति ईमानदारी और विकास के नए नए आयाम गढ़ने के लिए जाने जाते है। जिन्होने कुछ ही साल में पूरी खुर्सीपार और छावनी क्षेत्र के वार्डों की तस्वीर बदल दी है। उन्होंने ना सिर्फ ऐसे किसी सड़क की कल्पना की बल्कि उस कल्पना को साकार करने जा रहे है।

खुर्सीपार का सबसे प्रमुख सड़क माने जाने वाला एमपीआर रोड की तस्वीर जल्द बदल रही है। इस एमपीआर रोड को शहर व संभवत हम कह सकते हैं, की प्रदेश का पहला ऐसा सबसे स्मार्ट और सुंदर सड़क बनाया जा रहा है। जहां जनता की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगे रहेंगे। सड़क और लगे पोल पर साउंड सिस्टम भी लगाया जाएगा। जिससे लोग राह चलते भजन और प्रवचन भी सुन सकेंगे।

इसके अलावा इस सड़क पर सुरक्षा की दृष्टि से जो नेशनल हाईवे जैसे सड़कों पर लगाए जाने वाला रोड ब्लिंकिंग भी लगाया जाएगा। जो रात में जब जलेगा तो सड़क की खूबसूरती और क्षेत्र पर रहने वाले व चलने वाले लोगों को एक अलग ही अनुभूति प्रदान करेगा। इस सड़क के बनने के बाद से इस क्षेत्र की पूरी तस्वीर ही बदल जाएगी। इस सड़क को नेशनल हाइवे की तरह ही मजबूत और रोड इंजीनियरिंग के हिसाब से बनाया जाएगा।

रोप लाइट और स्ट्रीट लाइटों से रोशन होगा

एमपीआर रोड की खूबसूरती रात: में और भी ज्यादा बढ़ जाएगी। क्योंकि रात: में इस रोड पर लगे स्ट्रीट पोल में लगे दूधिया रोशनी से रोशन स्ट्रीट लाइट सड़को को काफी सुंदर और मनमोहक बना देगा। इसके अलावा स्ट्रीट पोल पर रंग बिरंगी रोप लाइट भी लगाया जाएगा। जो तिरंगे के रंग से सजा होगा। जब यह लाइट रात: में जलेगी तो इसे देख कर लोगों के मन मे देश प्रेम और तिरंगे के प्रति सम्मान भी बढ़ेगा।

वर्टिकल फाउंटेन होगा आकर्षक का केंद्र

सरकारी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल के पास एक वर्टिकल फाउंटेन भी निर्माण किया जाएगा। जो क्षेत्र के लिए सबसे सुंदर और आकर्षण का केंद्र होगा। वर्टिकल फाउंटेन जब रात में रंग बिरंगी लाइटों से चलेगी और वहां फाउंटेन में उठाते पानी की बूंदे लोगों को अपनी ओर आकर्षित करेगी। इसे देखने के लिए आसपास क्षेत्र के लोग आएंगे। क्योंकि यह क्षेत्र का ऐसा एक पहला वर्टिकल फाउंटेन होगा जो अब तक भिलाई में कहीं देखने को नहीं मिलता। जो कि क्षेत्र का बेहद खूबसूरत और आकर्षण होगा।

एसी वाला बस स्टॉप

सिर्फ इतना ही नहीं भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव की पहल से खुर्सीपार के श्रीराम चौक पर एक ऐसा बस स्टैंड बनाया जाएगा। जहां ऐसी लगा होगा। यह बस स्टॉप पूरी तरह से वातानुकुलित रहेगा। यहां से स्कूल व काम पर जाने वाले लोग अपने बस का आराम से इंतजार कर सकेंगे, हालांकि इस एमपीआर रोड पर जहां-जहां बस स्टॉप की आवश्यकता है वहां पर बस स्टॉप बनाए जाएंगे। लेकिन श्री राम चौक पर जो बस स्टॉप बनेगा वह वातानुकुलित रहेगा। ताकि बारिश, धूप के दिनों में लोगों को परेशानी ना हो और वके आराम से बैठकर वहां अपने वाहन का इंतजार कर सके।

जनता की मांग पर विकास

हम भिलाई की भलाई के लिए काम कर रहे हैं। भिलाई की जनता की मांग पर लगातार विकास कार्य किया जा रहे हैं। आज खुर्सीपार छावनी सहित पूरे भिलाई शहर का एक भी वार्ड ऐसा नहीं है। जहां विकास कार्य नहीं हुआ हो। करोड़ों के विकास किए गए हैं, स्कूल शिक्षा खेल स्वास्थ्य सड़क नाली से लेकर सभी जरूरी चीजों को ध्यान पर रखकर काम किया जा रहा है।

देवेन्द्र यादव, विधायक भिलाई नगर

आंदोलन से पहले आयुक्त ने बताया क्या-क्या हुई कार्रवाई, दया सिंह ने 18 बिंदुओं पर सौंपा था लेटर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भाजपा पार्षद और उप नेता प्रतिपक्ष दया सिंह ने भाजपा पार्षदों के साथ गुरुवार को भिलाई निगम कमिश्नर रोहित व्यास से मुलाकात की।

इस मुलाकात में आयुक्त रोहित व्यास ने नगर निगम भिलाई के बीजेपी के पार्षदों को जानकारी देते हुए बताया कि पिछले दिनों उन्होंने 18 बिंदुओं पर ज्ञापन जो सौंपा था। उसपर निगम की ओर से क्या कार्रवाई की गई है? हालांकि भाजपा पार्षद निगम कमिश्नर के आश्वासन के साथ सभी जोन का दौरा करने की बात कही। आयुक्त की बातों से उप नेता प्रतिपक्ष दया सिंह सहित अन्य पार्षद आपस से संतुष्ट नजर नहीं आए। उन्होंने फिर से अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि अगर आने वाले दिनों में व्यवस्था के लिए निगम तैयार रहे और भाजपा पार्षद कभी भी धरना दे सकती है। अगर व्यवस्था नहीं सुधरी तो। आपको बता दे की 15 सितंबर तक भाजपा पार्षद दया सिंह और उनकी टीम ने निगम कमिश्नर को अल्टीमेट दिया था। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष ब्रिजेश बिचपुरिया समेत वीना चंद्राकर, गिरजा बंछोर, ईश्वर नेताम, शकुंतल साहू, भोला साहू संजय सिंह सभी भाजपा पार्षद मौजूद रहें।

बीआरएम की ऊर्जावान टीम ने बनाया नया कीर्तिमान, निदेशक प्रभारी ने दी बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के बार राड मिल की ऊर्जावान टीम ने पुन: अपने ही बनाये कीर्तिमान को तोड़ते हुए 13 सितम्बर, 2023 को 12 एमएम टीएमटी बार मे 3303 टन (1598 बिलेट्स) का उत्पादन कर नया सर्वश्रेष्ठ दिवस कीर्तिमान बनाया। इसके पूर्व 12 एमएम टीएमटी बार मे उत्पादन का कीर्तिमान, 31 दिसम्बर, 2022 को 3298 टन (1581 बिलेट) का था। विभाग की इस सफलता पर निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने शॉप फ्लोर पर पहुँच कर कार्मिकों को बधाई प्रेषित की एवं उपस्थित जन समुदाय को संकल्पित किया कि बीआरएम बिरादरी अपने सामूहिक प्रयास से वार्षिक लक्ष्य को अवश्य प्राप्त करेगी तथा भविष्य में आने वाली नयी चुनौतियों के लिए प्रतिबद्ध रहेगी।

इस अवसर पर निदेशक प्रभारी ने बीआरएम टीम को मिठाई खिलाकर बधाई दी। बीआरएम ने उत्पाद की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए 100 प्रतिशत ग्राहक संतुष्टि को अपना लक्ष्य रखा है।

भारतीय अर्थव्यवस्था के समावेशी विकास की समस्याएं एवं संभावनायें

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वशासी महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा 13 सितंबर को व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। जिसमें प्रमुख वक्ता के रूप डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर अर्थशास्त्र विभाग के सेवानिवृत प्राध्यापक डॉ. केवल चन्द जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज समाज का हर व्यक्ति स्वार्थी होता जा रहा है। अपने जिनी स्वार्थो की पूर्ति हेतु आर्थिक, सामाजिक और राजनैतिक स्तर पर घुसपैठ कर लिया है, एक तरफ व्यक्ति चांद पर जा रहा है, वहीं दूसरी समाज में बेरोजगारी एवं भुखमरी बढ़ती जा रही है। हम समाज को महात्मा गांधी के सपनों का भारत बनाना चाहते हैं। हमारी ओर से यह भावना बनी रहती है, कि हमारी प्रगति हो, हमें ऐसी नीति बनानी चाहिये जिससें समाज का सर्वांगीर्ण विकास हो। जब प्रदूषण को कम करने की बात करते है तो हम लकड़हारों को पकड़ते है, हम उन लोगो पर हाथ नहीं लगाते जो माफिया के रूप में कोई व्यक्ति हो या कोई देश हो। हमारे देश में कहीं न कहीं यह भाव है कि अन्य देशों की भांति हमारा भी विकास हो। आज समाज में आय की असमानता तेजी से बढ़ रही है। आज देश में 100 अमीरों के पास लगभग 13 लाख करोड़ आय है दूसरी तरफ गरीब लोग दम तोड़ रहे हैं। देश का युवा उच्च सस्थानों में पढ़ाई करता है और ऊंची महात्वाकांक्षा के कारण विदेशों में बस जाता है। अब तक लगभग 14 लाख लोग भारत की नागरिकता छोड़ चुके है।

बंद लाइटें होंगी चालू, जगमग होगा शहर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। निगम क्षेत्र राष्ट्रीय राजमार्ग मुख्य सड़क शहर के अन्य सड़क गली मोहल्लों, उद्यान व तालाब में लगे विद्युत पोल का नम्बरिंग के साथ सभी पोल में लाईट की जांच कर बंद लाईट को तत्काल चालू करने के निर्देश महापौर एवं आयुक्त ने जोन आयुक्तों को दिये।

महापौर नीरज पाल एवं आयुक्त रोहित व्यास ने निगम के कार्यो की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में सभी जोन के आयुक्त से उनके जोन में लगे विद्युत खम्बों की जानकारी, खम्बों की नंबरिंग कार्य की प्रगति से अवगत हुये। आयुक्त ने कहा कि जिस भी क्षेत्र में खम्बे तो लगे है, लेकिन लाईट कि व्यवस्था अभी तक नहीं हो सका है उन खम्बों में फिक्चर लाईट लगावे बंद लाईट को बदलकर चालू करें आगामी पड़ने वाले त्यौहार को ध्यान में रखकर शहर की सभी लाईट चालू रखे उद्यान तथा तालाबों में भी पर्याप्त प्रकाश कि व्यवस्था सुनिश्चित करें।

आयुक्त ने रोका छेका संकल्प अभियान के नोडल अधिकारी से कहा कि निगम द्वारा संचालित गौठनों में मवेशियों कि संख्या अत्यधिक होने के कारण मवेशियों को ग्रामीण गौठन में स्थानांतरित करने जनपद पंचायत विभाग से समन्वय बनाकर कार्य करें । टाउनशिप क्षेत्रों में सड़कों में घुमने वाले मवेशियों कि धड़पकड़ हेतु भिलाई इस्पात संयंत्र को पत्र प्रेषित करें। वे अपने क्षेत्र में मवेशियों को रखने टाउनशिप क्षेत्र में गौठान का निर्माण कर रखे ।

बैठक में अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, जोन आयुक्त खिरोद्र भोई, येशा लहरे, अमिताभ शर्मा, पूजा पिल्ले, कार्यपालन अभियंता विनिता वर्मा, अखिलेश चन्द्राकर, कुलदीप गुप्ता, आर.एस.राजपूत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

21 से 23 सितंबर के बीच मुख्यमंत्री करेंगे विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण

अधूरे विकास कार्य जल्द कराए जाएं पूर्ण-वोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्ट्रेट सभागृह में विधायक अरुण वोरा ने कलेक्टर पुस्पेंद्र मीना , महापौर धीरज बाकलीवाल एवं आयुक्त लोकेश चंद्राकर के उपस्थिति में निगम अधिकारियों की बैठक ली। विधायक वोरा में शहर में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की एवं विकास कार्यों में लापरवाही न करने की बात कही ।

बता दे की दुर्ग शहर में अभी बहुत से विकास कार्य चलाएं जा रहे है कुछ कार्य पूर्ण हो चुके है वही कुछ कार्य प्रगति पर है , अपूर्ण कार्यों को पूरे करने में हो रही देरी पर विधायक वोरा ने नाराजगी भी जताई । विधायक वोरा ने कहा कि राज्य सरकार की मदद से शहर में 100 करोड़ से ज्यादा के विकास कार्य किए जा चुके हैं । विधायक निधि शहर में नाली , सड़क, लाइट एवं अन्य विकास कार्यों हेतु निगम को दिए है । लेकिन वह कार्य बहुत धीमी गति से पूर्ण हो रहे है। कलेक्ट्रेट सभागृह में बैठे अधिकारियों से विधायक वोरा ने प्रश्न पूछा कि ठगडा बांध का कार्य कब तक पूर्ण होगा , क्योंकि ठगड़ा बांध का लोकार्पण माननीय मुख्यमंत्री जी के हाथो करना है , जिसपर अधिकारियों ने बताया की ठगड़ा बांध का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है बच्चो के लिए झूले व फॉन्टेन लगाने का कार्य बचा हुआ है जिसे जल्द ही पूर्ण कर लिया जाएगा। विधायक अरुण वोरा ने जेआरडी स्कूल के निर्माणाधीन कार्य , शिवनाथ नदी मुक्तिधाम जाने वाले रोड को जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए । वही पुलगांव ब्रिज में हो रही लगातार दुर्घटनाओं पर चिंता जताई एवं गणेश विसर्जन के समय शिवनाथ नदी पर एसडीआरएफ की टीम तैनात हो जिससे गणेश विसर्जन के समय कोई भी जान हानि ना हो ।

विधायक वोरा ने स्पष्ट कहा है कि जो भी ठेकेदार वर्क ऑर्डर होने के बाद भी काम शुरू करने में लेट लतीफी कर रहा है उन्हे 1 हफ्ते का नोटिस दिया जाए , नोटिस देने के बाद भी अगर कार्य चालू नहीं हुआ तो ठेकेदार को ब्लैकलिस्टेड किया जाए शहर में विकास कार्यों को लेकर कोई ढिलाई बर्दास्त नही की जाएगी। उपायुक्त मोहेंद्र साहू, कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम , राजेश पांडेय, प्रकाश चंद थावानी, जितेंद्र समैया, आरके बोरकर, संजय ठाकुर, पंकज साहू, विकास दमाहे, स्वेता महलवार, करण यादव के अलावा अन्य निगम अधिकारी उपस्थित थे

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार
होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

छत्तीसगढ़ में अब तक 890.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2023 से अब तक राज्य में 890.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून 2023 से 14 सितंबर सवेरे तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1537.8 मिमी और सरगुजा जिले में सबसे कम 397.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर जिले में 718.8 मिमी, बलरामपुर में 811.7 मिमी, जशपुर में 714.0 मिमी, कोरिया में 833.5 मिमी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 829.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी।

इसी प्रकार, रायपुर जिले में 979.4 मिमी, बलौदाबाजार में 899.6 मिमी, गरियाबंद में 790.5 मिमी, महासमुंद में 903.9 मिमी, धमतरी में 852.6 मिमी, बिलासपुर में 973.2 मिमी, मुंगेली में 1097.5 मिमी, रायगढ़ में 1012.7 मिमी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 801.2 मिमी, जांजगीर-चांपा में 810.4 मिमी, सक्ती में 795.1 मिमी, कोरबा में 875.6 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 930.5 मिमी, दुर्ग में 749.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी। कबीरधाम जिले में 713.3 मिमी, राजनांदगांव में 967.5 मिमी, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 1134.6 मिमी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 905.8 मिमी, बालोद में 869.6 मिमी, बेमेतरा में 711.3 मिमी, बस्तर में 944.7 मिमी, कोण्डागांव में 963.7 मिमी, कांकेर में 878.2 मिमी, नारायणपुर में 858.4 मिमी, दंतेवाड़ा में 967.8 मिमी और सुकमा में 1286.9 मिमी औसत वर्षा एक जून से अब तक रिकार्ड की गई।

चयनित 13 खाद्य निरीक्षकों के नियुक्ति आदेश जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा 20 फरवरी 2022 को आयोजित खाद्य निरीक्षक परीक्षा के आधार पर 28 अप्रैल 2022 को जारी मेरिट सूची में चयनित 13 अभ्यर्थियों के नियुक्ति तथा पदस्थापना आदेश आज संचालक खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण द्वारा जारी कर दिए गए हैं। चयनित अभ्यर्थियों को तृतीय श्रेणी (कार्यपालिक) खाद्य तथा नागरिक आपूर्ति निरीक्षक के पद पर, वेतन मेट्रिक्स लेवल 7 (28700-91300) तथा नियमानुसार राज्य शासन द्वारा देय भत्तों पर उनके द्वारा कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से 03 वर्ष की परिवीक्षा पर अस्थायी रूप से आगामी आदेश तक उल्लेखित शर्तों पर नियुक्ति किया जाकर पदस्थापना की गई है। आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति आदेश जारी होने की तारीख से 10 दिवस के भीतर कार्यभार ग्रहण करना अनिवार्य होगा। निर्धारित अवधि में कार्यभार ग्रहण न करने की स्थिति में नियुक्ति आदेश स्वत: निरस्त मान जाएगा।

जनजातीय महिलाएं सीखेंगी आर्थिक उन्नति एवं उचित प्रबंधन के साथ बचत के हुनर

लघु वनोवज के भण्डारण, पैकेजिंग एवं विपणन पर आधारित तीन दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य की जनजातीय महिलाओं के लिए लघु वनोपज के भण्डारण, पैकेजिंग एवं विपणन पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला 13 से 15 सितंबर तक आदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान नवा रायपुर में आयोजित की जा रही है। प्रशिक्षण के दौरान जनजातीय महिलाएं आर्थिक उन्नति और उचित प्रबंधन के साथ बचत के हुनर सीखेंगी। प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन छत्तीसगढ़ द्वारा फाउन्डेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्योरिटी के सहयोग से संचालक सह आयुक्त शम्मी आबिदी के निर्देशन में किया जा रहा है। कार्यशाला का शुभारंभ आदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के संयुक्त संचालक प्रज्ञान सेठ एवं फाउन्डेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्योरिटी की संचालक सुश्री मंजित कौर बल, सुश्री संगीता एवं प्रशिक्षण सह कार्यशाला में उपस्थित समूह की महिलाओं द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी की दीप प्रज्वल्लित कर किया गया।

संयुक्त संचालक प्रज्ञान सेठ ने बताया कि प्रशिक्षण सह कार्यशाला का उद्देश्य जनजाति क्षेत्रों में निवासरत जनजाति महिलाओं के सर्वांगीण विकास करना है। जनजाति क्षेत्रों में की जाने वाली वनोपज संग्रहण, भंडारण एवं उसकी पैकेजिंग को आकर्षक बना कर बाजार में कैसे सुसज्जित रूप से बेच सकें। तीन दिवसीय कार्यशाला से राज्य के विभिन्न जिलों से आए स्व-सहायता समूह की जनजातीय महिलाएं वन उत्पादों के प्रोसेसिंग एवं विक्रय के लिए बाजार की उपलब्धता के बारे में जान सकेंगी। इससे उनके उत्पादों के विक्रय क्षमता में विकास होगा, जो उन्हें संबल बनाने के साथ-साथ उनका आत्मसम्मान बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा। इस कार्यशाला से जनजातीय महिलाओं की आर्थिक उन्नति एवं उन्हें उचित प्रबंधन के साथ बचत का हुनर सिखाने में भी सहायक होगा।

फाउन्डेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्योरिटी की संचालक सुश्री कौर ने कार्यशाला में कहा कि वन उत्पादों के सही ढंग से पैकेजिंग करने से वह उत्पाद सुरक्षित रहता है और उसकी कीमत बढ़ जाती है। इस अवसर पर सुश्री संगीता ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग वनोत्पाद का संग्रहण किया जाता है जिसका प्रकृति से संतुलन स्थापित कर संग्रहण एवं उपभोग किया जाना आवश्यक है, जिससे इसकी पूर्ति निरंतर बनी रहे।

मुख्यमंत्री दाई-दीदी क्लीनिक

2 लाख से अधिक महिलाओं का हुआ नि:शुल्क इलाज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री दाई-दीदी मोबाइल क्लीनिकों के माध्यम से अब तक करीब 2659 कैम्प लगाएं जा चुके हैं। दाई-दीदी क्लीनिक के माध्यम से रायपुर, बिलासपुर एवं भिलाई नगर निगम क्षेत्र की झुग्गी बहुल बस्तियों में रहने वाली दो लाख 128 महिलाओं एवं बालिकाओं का उनके घर के पास ही दाई-दीदी क्लीनिक कैंप के माध्यम से इलाज किया गया है।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा मुख्यमंत्री दाई-दीदी क्लिनिक योजना संचालित की जा रही है। योजना के तहत मोबाइल मेडिकल यूनिट के वाहन में महिला चिकित्सकों और महिला स्टॉफ की टीम पहुंचती है तथा जरूरतमंद महिलाओं एवं बालिकाओं की विभिन्न बीमारियों का नि:शुल्क जांच एवं इलाज करती है। इन मोबाइल मेडिकल यूनिट के द्वारा 43 हजार से ज्यादा महिलाओं का लैब टेस्ट किया गया तथा एक लाख 88 हजार 762 महिलाओं को नि:शुल्क दवाईयां दी गई। पहले गरीब स्लम क्षेत्र में रहने वाली तथा मेहनत मजदूरी करने वाली ऐसी महिलाएं जो समयाभाव या अन्य कई कारणों से अपना इलाज नहीं करा पा रही थी परन्तु अब दाई-दीदी क्लीनिक से उन्हें इलाज की सुविधा घर के पास ही महिला चिकित्सकों और चिकित्सा स्टाफके माध्यम से मिल रही है और वे अपना इलाज बिना संकोच के महिला स्टॉफ के माध्यम से करा पा रही है।

छत्तीसगढ़ लोक आयोग में उत्साह के साथ मनाया गया हिंदी दिवस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक आयोग, रायपुर में हिंदी दिवस के अवसर पर लोकायुक्त न्यायमूर्ति टीपी शर्मा की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारियों की सहभागिता रही और उन्होंने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को हिन्दी दिवस की शुभकामनाएं दी।

लोकायुक्त न्यायमुर्ति शर्मा ने कार्यक्रम में हिंदी की विशेषता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें अपनी भाषा में कार्य करने एवं प्रचार प्रसार करने के लिए किसी अन्य भाषा का विरोध नहीं करना चाहिए, बल्कि सभी भाषाओं का सम्मान करते हुए हिंदी भाषा को महत्व देना है। कार्यालय में हिंदी में कामकाज किये जाने को बढ़ावा देने पर भी उन्होंने जोर दिया।

छत्तीसगढ़ लोक आयोग के सचिव अनुराग पाण्डेय ने कहा कि हिंदी के प्रति सम्मान हेतु दैनिक व्यवहार में हिंदी के उपयोग को बढ़ावा दिये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ लोक आयोग में समस्त कामकाज हिंदी भाषा में किया जा रहा है। पाण्डेय ने हिंदी दिवस के साथ-साथ सभी को पोरा तिहार की भी शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम को आयोग में विधिक सलाहकार के रूप में पदस्थ उच्च न्यायिक सेवा के अधिकारी सत्येन्द्र कुमार साहू, तकनीकी सलाहकार राकेश पुराम, निज सहायक फूलचंद देवांगन, प्रभारी अनुभाग अधिकारी गजेन्द्र सिंह ठाकुर व साधना श्रीवास्तव, प्र.आर. तीरथराम ठाकरे ने भी संबोधित कर अपने-अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का सफल संचालन उपसचिव, केपी सिंह भदौरिया द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन निरीक्षक स्वाति मिश्रा के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में वित्तीय सलाहकार श्रद्धा त्रिवेदी, उप पुलिस अधीक्षक अर्जुन सिंह एवं अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित थे।

रायपुर जिले के तीन स्वामी आत्मानंद स्कूलों में बनेगा एआई क्लब

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर जिले में शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर नवाचार हो रहे हैं। इसी कड़ी में कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे की उपस्थिति में आज जिला प्रशासन और आईजेब्रा.एआई के मध्य एमओयू हुआ। जिसके तहत जिले के तीन स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट इंगलिश मीडियम स्कूल में डेटा-एआई क्लब का गठन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने स्वतंत्रता दिवस पर अगले शिक्षा सत्र से स्कूली बच्चों के पाठ्यक्रम में भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी अत्याधुनिक तकनीकी की जानकारी पाठ्यक्रम में शामिल करने की घोषणा की है। जिला प्रशासन ने इसी दिशा में त्वरित क्रियान्वयन करते हुए यह कदम उठाया हैं। यह महत्वपूर्ण कदम उठाने वाला रायपुर पहला जिला है। इस एमओयू में जिला प्रशासन की तरफ से जिला पंचायत के सीईओ अबिनाश मिश्रा और कम्पनी के निर्देशक चिरंजीवी मडाला ने हस्ताक्षर किया। इस एमओयू के तहत स्वामी आत्मानंद आर.डी तिवारी आमापारा, स्वामी आत्मानंद बी.पी पुजारी राजातालाब और स्वामी आत्मानंद शहीद स्मारक फाफाडीह में एआई क्लब का गठन होगा। इससे इन स्कूलों के विद्यार्थियों में एआई के प्रति समझ विकसित होगी। विद्यार्थी विज्ञान के इस नवीनतम तकनीक से परिचित होंगे और उसका उपयोग प्रोजेक्ट तथा अन्य कार्यों में कर सकेंगे। इससे छत्तीसगढ़ के बच्चों में विज्ञान के प्रति अधिक रूचि पैदा होगी साथ ही वे देश ही नही बल्कि विश्व में अन्य युवाओं के साथ कंधे से कंधा मिला कर कार्य करेंगे।

कलेक्टर डॉ भुरे ने सुचारू मतदान की व्यवस्था के लिए दिए आवश्यक निर्देश

धरसींवा और अभनपुर विधानसभा के सेक्टर अधिकारों और पुलिस सेक्टर अधिकारियों का हुआ प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ सर्वेश्वर भुरे ने गुरू घासीदास संग्रहालय परिसर स्थित ऑडिटोरियम में धरसींवा और अभनपुर विधानसभा के सेक्टर अधिकारियों और पुलिस सेक्टर अधिकारियों की बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि मतदान केंद्रों का अच्छी तरह निरीक्षण करें और मूलभूत सुविधा का होना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मतदान केन्द्रों में बिजली, पेयजल, महिला-पुरूष के लिए पृथक शौचालय, फर्नीचर, मोबाइल नेटवर्किंग, दिव्यांगजनों के लिए रैंप का इंतजाम करा लें।

उन्होंने सभी सेक्टर अधिकारियों को मतदान केंद्रों पर पारदर्शिता के साथ चुनाव प्रक्रिया कराने के लिए इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। सेक्टर अधिकारी गंभीरता से मतदान केंद्रो का निरीक्षण करने के साथ संबंधित बीएलओ के संपर्क में जानकारी तैयार करें। इस बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी गजेन्द्र ठाकुर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीरज चंद्राकर सहित मास्टर ट्रेनर्स ने सेक्टर एवं सेक्टर पुलिस अधिकारियों को निर्वाचन संबंधित गतिविधियों को व्यवस्थित ढ़ग से पूर्ण करने के बारे में भी जानकारी दी।

कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने सभी सेक्टर अधिकारियों को मतदान केंद्रों तक पहुंच मार्ग (रास्ता) का भी निरीक्षण करें। साथ ही स्थल निरीक्षण के दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखें कि मतदान दलों के लिए आने जाने वाले पहुंच मार्ग सुविधाजनक हों। उन्होंने अधिकारियों को संवेदनशील, अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों की भी जानकारी देने के निर्देश दिए ताकि उन क्षेत्रों में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित कराई जा सके। कलेक्टर ने संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील मतदान केन्द्रों के अनुमान पर लगातार आकलन करने के निर्देश सेक्टर अधिकारियों को दिए। उन्होंने वर्तमान स्थिति, निर्वाचन घोषणा के समय की स्थिति और मतदान के सात दिन पूर्व की स्थिति में मतदान केन्द्र की संवेदनशीलता की जानकारी लगातार देने के निर्देश सेक्टर अधिकारियों को दिए।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

बेहद खतरनाक होती है कुकुर खांसी, इन घरेलू उपायों को अपनाएं, जल्द मिलेगा आराम

जिन बच्चों या बड़ों की शारीरिक प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है, वो बीमारियों की चपेट में जल्दी आ जाते हैं। इनमें भी विशेष रूप से बच्चे। इनमें से एक है काली खांसी जो कि एक संक्रमण रोग है और श्वसन संबंधी बीमारी है। खासकर 2-3 वर्ष उम्र के बच्चों में काली खांसी अधिक देखी जाती है। काली खांसी को अंग्रेजी में पर्टुसिस और वूपिंग कफ कहा जाता है। वहीं, इसे स्थानीय भाषा में कुकुर खांसी के नाम से भी जाना जाता है। इस बीमारी में कई बार खांसते-खांसते दम फूलने लगता है। आंखें लाल हो जाती हैं। दो सप्ताह से अधिक दिनों तक खांसी रहने पर चिकित्सक से जरूर सलाह लेनी चाहिए। आज हम अपने पाठकों को कुछ ऐसे घरेलू उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं जो बच्चों को इस बीमारी से आराम दिलाने का काम करेंगे।

तुलसी

काली खांसी में तुलसी का इस्तेमाल काफी फायदेमंद हो सकता है। इसमें एंटीमाइक्रोबियल गुण होते हैं, जो बैक्टीरिया से लड़ने और इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद कर सकते हैं। इसके लिए आप 10-12 तुलसी के पत्तों को पीस लें। अब इसमें थोड़ा सा शहद मिलाकर छोटी-छोटी गोलियां बना लें। बच्चे को दिन में 3-4 गोली खाने को दें।

मुलेठी

मुलेठी में ग्लाइसिराइजिक एसिड होता है जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है। इसमें डीमुलसेंट घटक होते हैं जो उत्तकों का इलाज करते हैं। काली खांसी के कारण उत्तकों को काफी नुकसान पहुंचता है। मुलेठी से इलाज के लिए सबसे पहले एक कप पानी को गर्म करें और उसमें एक बड़ा चम्मच मुलेठी का पाउडर डालें। मिश्रण को पांच मिनट तक गर्म होने को रख दें। अब बर्तन को गैस से हटाएं और दस मिनट के लिए ऐसे ही रहने दें। फिर मिश्रण को छानकर पी जाएं। इस प्रक्रिया को कुछ दिनों तक पूरे दिन में दो से तीन बार दोहराएं।

अदरक

अदरक का उपयोग स्वाद के साथ ही सेहत के लिए भी किया जा जाता है। इससे जुड़े एक शोध में पाया गया कि अदरक ग्राम-नेगेटिव बैक्टीरिया के खिलाफ एंटीबैक्टीरियल प्रभाव प्रदर्शित कर सकता है। वहीं, काली खांसी का बैक्टीरिया भी एक ग्राम नेगेटिव बैक्टीरिया ही है, इसलिए माना जा सकता है कि अदरक का काली खांसी के बैक्टीरिया से लड़ने का काम कर सकता है। इलाज के लिए अदरक का पेस्ट बना लें। पेस्ट से अदरक का रस निकालें और इसका रोजाना सेवन करें। स्वाद के लिए इसमें आधा चम्मच शहद मिला सकते हैं।

एसेंशियल ऑयल

एसेंशियल ऑयल का इस्तेमाल काली खांसी से राहत पाने के लिए फायदेमंद हो सकता है। पुदीना और लेमनग्रास एसेंशियल ऑयल में एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो संक्रमण से लड़ने में मददगार हो सकते हैं। बच्चे को काली खांसी होने पर बादाम या जैतून के तेल में पेपरमिंट एसेंशियल ऑयल डालकर पीठ और छाती की हल्की मालिश करें।

बादाम

बच्चों की काली खांसी खत्म करने के लिए तीन-चार बादाम रात में पानी में भिगाकर रख दें। सुबह बादाम के छिलके उतार लें। इसे एक कली लहसुन और थोड़ी सी मिश्री के साथ पीस लें। तैयार पेस्ट की छोटी-छोटी गोलियां बनाकर बच्चे को खिलाएं। इससे खांसी में आराम मिलेगा। काली खांसी के लक्षण आमतौर पर 5-10 दिनों के भीतर संक्रमित होने के बाद विकसित होते हैं। कभी-कभी काली खांसी के लक्षण 3 सप्ताह तक विकसित नहीं होते हैं।

लहसुन

लहसुन सर्दी, जुकाम और खांसी के इलाज के लिए फायदेमंद है। काली खांसी से छुटकारे के लिए लहसुन की 5-6 कलियों को छीलकर बारीक काट लें। उन्हें पानी में उबाल लें। इस पानी से भाप लें। रोज ऐसा करने से 8-10 दिन में काली खांसी खत्म हो जाती है।

हल्दी

हल्दी में एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण होते हैं जो काली खांसी का इलाज करने में मदद करते हैं। इसमें इलाज करने वाले गुण होते हैं जो खांसी के लिए प्रभावी होते हैं, खासकर सूखी खांसी। हल्दी प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करती है और शरीर में मौजूद इन्फेक्शन से लड़ती है। इसके लिए एक ग्लास गर्म दूध में हल्दी मिला लें। मिलाने के बाद दूध को पी जाएं। इस उपाय को पूरे दिन में दो बार करें।

अजवाइन

अजवाइन के फायदे काली खांसी का घरेलू इलाज करने में भी लाभदायक हो सकते हैं। इससे जुड़े एक शोध में जिक्र मिलता है कि यह सामान्य कफ से लेकर काली खांसी में राहत पहुंचाने का काम कर सकता है। वहीं, अजवाइन में एंटी बैक्टीरियल गुण भी मौजूद होता है। ऐसे में यह काली खांसी के बैक्टीरिया से लड़ने का काम भी कर सकता है। इलाज के लिए पानी में अजवाइन डालें। इसके बाद अच्छे से उबाल लें। अजवाइन से निकले पीले पानी को पी लें।

तब्बू की खुफिया की रिलीज तारीख से उठा पर्दा, फिल्म का नया टीजर जारी

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री तब्बू ने हाल ही में अपनी नई फिल्म खुफिया का ऐलान किया था। इसमें उनके साथ वामिका गब्बी और अली फजल भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। खुफिया ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। अब निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज तारीख से पर्दा उठा दिया है। यह फिल्म 5 अक्टूबर को नेटफ्लिक्स पर दस्तक देने के लिए तैयार है। इसके साथ खुफिया का नया टीजर भी सामने आ चुका है।

नेटफ्लिक्स इंडिया ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर खुफिया का नया टीजर साझा किया है, जिसमें तब्बू खुफिया मिशन का पता लगाती नजर आ रही हैं। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, कुछ राज, राज ही रहे तो बेहतर है, लेकिन ये वाला नहीं। 5 अक्टूबर को आपके लिए सबसे ज्यादा खुफिया मिशन लेकर आ रहे हैं, केवल नेटफ्लिक्स पर।बता दें, खुफिया का निर्देशन विशाल भारद्वाज ने किया है।

सामने आए वीडियो में तब्बू, वामिक और अली निर्देशक विशाल से फिल्म खुफिया को लेकर बात करते नजर आ रहे हैं। इस अनाउंसमेंट वीडियो में, तब्बू को केवल मोटी लाइनों वाली एक स्क्रिप्ट मिलती है, और भारद्वाज का दावा है कि यह एक खुफिया स्क्रिप्ट है, जबकि फिल्म निर्माता अली को कोई फिल्म की स्क्रिप्ट भी नहीं सुनाता है। तो वही दूसरी ओर, वामीका को इस बारे में बोलने की भी अनुमति नहीं है कि वह उनके साथ काम कर रही है। इस प्रकार से फिल्म खुफिया की रिलीज की तारीख भी अब तक एक गुप्त रहस्य है।

नेटफ्लिक्स ने इस फिल्म का अनाउंसमेंट वीडियो शेयर करते हुए लिखा है, 'फिल्म इतनी खुफिया रखो की एक्टर्स भी पूछे फिल्म क्या है? बता दें, तब्बू को पिछली बार अजय देवगन के साथ भोला में देखा गया था।

आलिया कुरैशी को अपनी ही फिल्म जवान के लिए नहीं मिला टिकट

शाहरुख खान की फिल्म को रिलीज हुए छह दिन बीच चुके हैं, लेकिन फैंस का क्रेज कम होने का नाम नहीं ले रहा है। थिएटर्स में लोगों की भीड़ देखने को मिल रही है। फिल्म हाउसफुल जा रही है, जिसके कारण टिकट मिलना भी मुश्किल हो गया है। खुद जवान एक्ट्रेस आलिया कुरैशी को अपनी फिल्म बड़े पर्दे पर देखने के लिए टिकट नहीं मिला।

आलिया कुरैशी ने बताया कि शुरुआत में उन्हें 'जवान' देखने के लिए टिकट ही नहीं मिल रहा था। फिर उन्हें प्रोडक्शन टीम की तरफ से 10 टिकट दिए गए और वह अपने परिवार व दोस्तों के साथ फिल्म देखकर आईं। आलिया ने फिल्म में शाहरुख खान के गैंग की छठी महिला का किरदार निभाया है। बता दें कि फिल्म 'जवान' के लिए न केवल किंग खान बल्कि अन्य एक्टर्स को भी जनता खूब पसंद कर रही है। फिल्म में साउथ एक्टर विजय सेतुपति को विलेन दिखाया है और उनका किरदार दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है। खुद आलिया भी उनकी बड़ी फैन हैं। आलिया ने बताया कि वह विजय की डाई हार्ड फैन हैं। आलिया कुरैशी ने कहा, मैं विजय सर को बहुत प्यार करती हूं, अगर कोई उनके बारे में थोड़ा भी बुरा कहेगा तो मैं मौत तक से लड़ जाऊंगी। आलिया ने विजय सेतुपति की तारीफों के पुल बांध दिए। उन्होंने साउथ एक्टर को विनम्र इंसान बताया है। एक्ट्रेस ने कहा, जब आप उनसे बात करेंगे तो आपको ऐसा नहीं लगेगा कि आप किसी शानदार एक्टर या स्टार से बात कर रहे हैं। वह बहुत अच्छे, शांत और अपने आप में ही खास हैं। उनमें कोई दिखावा नहीं है। आलिया ने यह भी कहा कि शाहरुख खान और विजय सेतुपति के बीच की केमिस्ट्री शानदार थी। उन्होंने शाहरुख के करिश्मा और स्टाइल की भी तारीफ की। आलिया ने फिल्म में शाहरुख खान की टीम आजाद की महिलाओं में से एक की भूमिका निभाई है। फिल्म ने की इतनी कमाई फिल्म ने पहले दिन 75 करोड़ का बिजनेस किया था, जिसमें हिंदी का कलेक्शन 65.5 करोड़ और तमिल में 5.5 करोड़ और तेलुग में 4 करोड़ था। दूसरे दिन फिल्म ने 53.23 करोड़ का बिजनेस किया था, जिसमें से हिंदी का 46.23 करोड़, तमिल का 3.87 करोड़ और तेलुगू का 3.13 करोड़ था। तीसरे दिन फिल्म ने 77.83 करोड़ कमाये, जिसमें से हिंदी का कलेक्शन 68.72 करोड़, तमिल का 5.34 करोड़, 3.77 करोड़ हो गया है। चौथे दिन फिल्म का कलेक्शन 80.1 करोड़ रहा, जिसमें हिंदी में फिल्म ने 71.63 करोड़, तमिल में 5 करोड़ और तेलुगू में 3.47 करोड़ कमाये। पांचवें दिन फिल्म ने 32 करोड़ का कलेक्शन किया, जिसमें हिंदी में 30.5, तमिल में 1.3 और तेलुगू में 1.12 करोड़ कमाये। छठे दिन फिल्म 26 करोड़ का कलेक्शन किया है।

मिनी स्कर्ट पहन केट शर्मा ने कराया हॉट फोटोशूट, एक्ट्रेस की अदाएं देख नेटिजन्स हुए बेहाल

टीवी एक्ट्रेस केट शर्मा हमेशा सिजलिंग और हॉट लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनका स्टाइलिश अंदाज देखकर अपने होश खो बैठते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वो सोशल मीडिया का पारा गर्म करती हुई दिखाई दे रही हैं। भोजपुरी सिनेमा और टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस केट शर्मा आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। एक्ट्रेस केट शर्मा आए दिन अपनी ग्लैमरस तस्वीरों के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट में रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ बोल्ड तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में अभिनेत्री ने ब्लैक कलर की मिनी स्कर्ट और साथ ही व्हाइट क्रॉप टॉप पहना हुआ है। एक्ट्रेस अपनी इन तस्वीरों में डीपनेक क्लीवेज फ्लॉन्ट करती हुई एक से बढ़कर एक खतरनाक पोज दे रही हैं। एक्ट्रेस का ये लुक फैंस को काफी पसंद जबरदस्त लग रहा है। बता दें कि केट हमेशा अपने हर अंदाज से लोगों का दिल जीत लेती हैं। केट शर्मा जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स करते हैं। हालांकि इन तस्वीरों पर भी काफी लोग के लाइक्स आ चुके हैं। इन तस्वीरों में उनकी हॉटनेस देखकर फैंस मदहोश हो गए हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रमा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

साथी परियोजना सें बढ़ेगी किसानों की आय

सूरजपुर। वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र सरगुजा द्वारा जानकारी दी गई कि मिलेट्स कैफे एवं साथी बाजार स्थापित किये जाने कें पूर्व में चिन्हांकित स्थल गढ़कलेवा केनापारा का निरीक्षण राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अधिकारियों के साथ किया गया। निरीक्षण उपरांत केनापारा स्थित पर्यटन स्थल साथी बाजार परियोजना स्थापना के लिए उपयुक्त पाया गया। कलेक्टर द्वारा केनापारा पर्यटन स्थल को साथी बाजार स्थापना हेतु विकसित करने का निर्देष दिया गया। डॉ. गजेन्द्र चन्द्राकर, राज्य नोडल अधिकारी, साथी परियोजना द्वारा जानकारी दी गई कि केनापारा में पूर्व में स्थापित स्ट्रक्चर का प्रयोग करते हुए साथी बाजार स्थापना हेतु प्रथम वर्ष में 70 लाख रु. एवं द्वितीय वर्ष हेतु 355 लाख रु. की आवश्यकता होगी। जिसके लिए प्रस्ताव जिला खनिज न्यास निधि में जमा किया जा चुका है। कलेक्टर द्वारा प्रथम वर्ष हेतु मगांई गई राशि का प्रस्ताव जिला खनिज न्यास निधि की प्रबंधकारिणी समिति बैठक में रखने का निर्देश दिया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री लीना कोसम द्वारा अगर द्वितीय वर्ष की राशि जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध ना कराये जाने की स्थिति में योजना संचालन पर क्या प्रभाव पड़ेगा। मनीष शाहा द्वारा जानकारी दी गई कि द्वितीय वर्ष की राशि प्राप्त ना होने की स्थिति में भी योजना सफ्ल रूप से संचालित होती रहेगी, साथ ही साथ योजना में शासकीय बजट उपलब्ध न होने की दशा में फीफ द्वारा पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मोड पर कम्पोनेंट वाइस इन्वेस्टर ऑर्गेनाइज किया जाने का प्रावधान है। चयनित इन्वेस्टर द्वारा योजना संचालित करने वाले एफपी.ओ. के साथ प्रॉफिट शेयरिंग कर कार्य का संचालन किया जायेगा।

आज संघर्ष विराम है, अंत नहीं - रघु ठाकुर

धमतरी। लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी ने धमतरी जिले के आदिवासी नगरी क्षेत्र के आदिवासियों की पुरानी पट्टे की मांग और अन्य स्थानीय समस्याओं को लेकर गोंडवाना भवन धमतरी से भारी वर्षा के बावजूद एक विशाल रैली निकाली। जो शहर के मुख्य चौराहा एवं सड़कों से होते हुए धरना स्थल गांधी चौक पहुंची। लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी केसंरक्षक श्री रघु ठाकुर जी के नेतृत्व में आयोजित इस रैली में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुकेश चंद्र एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री अशोक पडा प्रदेश उपाध्यक्ष श्री बंसी श्रीमाली धमतरी जिला अध्यक्ष श्री शिव नेताम के साथ नारे लगाते हुए सैकड़ों प्रदर्शन कारी धरना स्थल पर पहुंचे ।धरना स्थल पर सभा को श्रीमती लता नेताम ने संबोधित करते हुए आ वाहन किया के रासायनिक खाद से दूर रहे हैं जिससे स्वास्थ्य समस्या पैदा होती है। सरकार से पट्टे की समस्या को तत्काल हल करने की मांग की ।उन्होंने कहा कि हम लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के द्वारा आयोजित आंदोलन के साथ हैं और आगे भी लड़ते रहेंगेऊपर खरखा गांव की की बेटी संजू मरकाम ने कहा कि हम अपने हक के लिए लड़ेंगे हमारे गांव में बिजली पानी व स्वास्थ्य की सुविधा नहीं है। उसके बाद प्रतीक्षा मरकाम ने कहा कि हमारे गांव में स्कूल जाने के लिए जंगल से तीन चार किलोमीटर आगे जाना पड़ता है क्योंकि स्कूल नहीं है।पानी बिजली की भी समस्या है। इसके लिए हम यहां रैली में आए हैं। मुख्य वक्ता श्री रघु ठाकुर जी ने नौकरशाही पर वार करते हुए कहा की आज की नौकरशाही में बहुत परिवर्तन आ गया है। वह गरीब लोगों के लिए काम नहीं करते हैं। तानाशाह प्रवत्ति आ गई है । वह आमजन के सेवक हैं और उन्हें उनकी समस्याओं को हल करने में ज्यादा ध्यान देना चाहिए।

राजस्व मंत्री ने रानी धनराज कुंवर देवी स्वास्थ्य केन्द्र में सोनाग्राफी मशीन का किया शुभारंभ

रायपुर। मंत्री राजस्व व आपदा प्रबंधन, पुनर्वास, पंजीयन एवं स्टाम्प ड्यूटी छत्तीसगढ़ शासन जयसिंह अग्रवाल ने विगत दिवस को कोरबा के रानी धनराज कुंवर शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार हेतु सोनीग्राफी मशीन का शुभारंभ किया। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कोरबा जिले के लोगों को मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। पूर्व में जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कटघोरा, पाली में सोनोग्राफी मशीन का संचालन होने से क्षेत्र की जनता को सोनोग्राफी का लाभ मिल रहा था। अब रानी धनराज कुंवर देवी शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में सोनोग्राफी की सुविधा प्रारंभ होने से कोरबा तथा आस-पास क्षेत्र की जनता को राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि आगे भविष्य में इस चिकित्सालय में एक्स-रे की सुविधा के साथ ही अन्य सुविधाओं का विस्तार होगा। इसी प्रकार मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.एस.एन.केसरी ने बताया कि रानी धनराज कुंवर देवी शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में सोनोग्राफी की सुविधा प्रारंभ होने से कोरबा शहरी क्षेत्र तथा आस-पास के क्षेत्र की जनता को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि निजी चिकित्सा संस्थानों में सोनोग्राफी का दर अधिक होने के कारण आम जनता को काफी दिक्कते होती थी।

एसईसीआर की 18 ट्रेनों में थर्ड एसी इकॉनमी कोच यात्रियों को मिलेगी किफायती व आरामदायक यात्रा

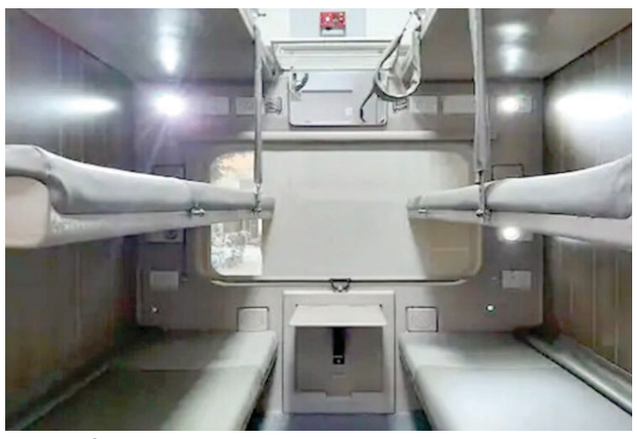

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देश के किसी भी कोने में जाना हो तो लोगों के लिए पहली पसंद रेलवे का सफ्र होता है। क्योंकि यह संरक्षित परिचालन के साथ सुरक्षित और तेज है। भारतीय रेलवे देश की जीवन रेखा के रूप में देखा जाता है। रोजाना हजारों-लाखों लोग एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने के लिए ट्रेन से सफ्र करते हैं। वर्तमान में रेलवे द्वारा यात्रा को आरामदायक व सुविधाजनक बनाने के लिए कई तरह के प्रयास कर रहा है।

इसी कड़ी में ट्रेनों में थर्ड एसी इकॉनमी कोच की सुविधा दी जा रही है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के 18 ट्रेनों में थर्ड एसी इकॉनमी कोच लगाए जा रहे हैं। बता दें एक ही ट्रेन में रेलवे अलग-अलग कोच के जरिए यात्रियों को कई तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराती है।

जिसमें यात्री अपने अनुसार यात्री कोच का चयन कर सकते हैं। इसके लिए फ्र्स्ट एसी, सेकेंड एसी और थर्ड एसी या स्लीपर जैसे कोच होते हैं। एक आम यात्री की पहली पसंद थर्ड एसी कोच है। जिसकी मांग यात्रियों द्वारा सबसे अधिक की जाती है। इसकी मांग तथा लोकप्रियता को देखते हुये रेल मंत्रालय द्वारा थर्ड एसी इकॉनामी कोच विकसित किया गया, जो कि सुविधा में परंपरागत थर्ड एसी की तुलना में अधिक बेहतर तथा आरामदायक है लेकिन इसका किराया थर्ड एसी की तुलना में काफी कम है।

इन ट्रेनों में दी जा रही थर्ड एसी इकॉनमी कोच की सुविधा

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में भी विभिन्न ट्रेनों में इस तरह के थर्ड एसी इकॉनमी कोच लगाए गए हैं । इनमें दुर्ग-भोपाल अमरकंटक एक्सप्रेस, दुर्ग-निज़ामुद्दीन एक्सप्रेस, दुर्ग-जम्मूतवी एक्सप्रेस, दोनों दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस, दुर्ग-कानपुर एक्सप्रेस, दुर्ग-अजमेर एक्सप्रेस, एवं दुर्ग-ऊधमपुर एक्सप्रेस में थर्ड एसी इकॉनमी कोच की सुविधा दी गई है ।थर्ड एसी इकॉनमी कोच थर्ड एसी की तरह की ही कोच है । इसमें वही सब सुविधाएं दी जाती है जो सुविधाएं थर्ड एसी में यात्रियों को दी जाती है । थर्ड एसी में 72 सीटें होती हैं, लेकिन एसी-3 इकोनॉमी में इससे 11 सीट अधिक अर्थात 83 सीटें होती हैं । इससे यात्रियों के लिए ज्यादा कन्फ़र्म बर्थ की सुविधा भी उपलब्ध हुई है ।

2021 में शुरू हुई थी सुविधा

भारतीय रेलवे ने थर्ड एसी इकोनॉमी कोच का संचालन साल 2021 में शुरू किया था। थर्ड एसी इकोनॉमी कोच पुराने थर्ड एसी के मुकाबले नए हैं और आधुनिक सुविधाओं को इसमें शामिल किया गया है । इसको डिजाइन भी पहले की तुलना में बेहतर और अलग तरीके से किया गया है. वहीं थर्ड एसी इकोनॉमी कोच में हर सीट के यात्री के लिए एसी डक्ट अलग-अलग लगाया गया है । इसके साथ हर सीट के लिए बोतल स्टैंड, रीडिंग लाइट और चार्जिंग की व्यवस्था की गई है ।

थर्ड एसी का एडवांस वर्जन है इकोनॉमी कोच

लखनऊ स्थित रेलवे के रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड ऑर्गनाइजेशन ने AC-3 इकोनॉमी क्लास के कोच तैयार किए थे । यह थर्ड एसी स्लीपर क्लास का एडवांस वर्जन है । इसकी डिज़ाइन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (NID) अहमदाबाद ने देश के लोगों की ट्रैवलिंग हैबिट पर रिसर्च कर तैयार की थी । इस रिसर्च में सफ्र के दौरान लोगों की जरूरतों का जिक्र है । इसी रिसर्च को ध्यान में रखकर नए कोच डिजाइन किए गए हैं । कोच का लेआउट स्लीपर कोच की तुलना में काफी अलग है । इनकी फिनिशिंग भी काफी लग्जरी है।

कैट के द्वारा 24 सितम्बर को स्वस्थ व्यापारी - स्वस्थ व्यापार के तहत निःशुल्क विशाल स्वास्थ शिविर का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कैट के द्वारा निःशुल्क विशाल स्वास्थ शिविर , स्वस्थ व्यापारी - स्वस्थ व्यापार के पोस्टर का विमोचन कर रायपुर के लगभग 100 से अधिक व्यापारी संगठनो को स्वास्थ शिविर में आंमत्रित किया जा रहा है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, एवं कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि दिनांक 24.09.2022 को सुबह 11 बजे से कैट सी.जी. चैप्टर के प्रदेश कार्यालय सी.- 1, ई.ए.सी. कॉलोनी, केनाल रोड, आक्सीजोन गार्डन के पास, कैट सी.जी. चैप्टर द्वारा स्वस्थ व्यापारी - स्वस्थ व्यापार के तहत विशाल स्वास्थ शिविर का आयोजन किया जा रहा है। कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी जी एवं प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी जी के द्वारा स्वस्थ व्यापारी - स्वस्थ व्यापार के पोस्टर का विमोचन किया गया।

कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी एवं प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी ने बताया कि कैट सी.जी. चैप्टर द्वारा स्वस्थ व्यापारी - स्वस्थ व्यापार के तहत विशाल स्वास्थ शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उपरोक्त शिविर में शहर के विशेषज्ञ डॉक्टर्स द्वारा निःशुल्क परामर्श एवं निःशुल्क जांच किया जायेगा। जिसमे एम.डी मेडिसीन, हृदय रोग, हड्डी रोग, नेत्र रोग, दंत रोग, आदि रोग के विशेषज्ञ डॉक्टर्स अपनी सेवांए देगें। बीएमडी (हड्डी गुणवत्ता) यूरिक एसिड, ब्लड शुगर एव बी.पी. की जांच की जायेगी। तथा दवाइयों का वितरण भी किया जायेगा। कैट ने स्वस्थ व्यापारी - स्वस्थ व्यापार के पोस्टर का विमोचन कर रायपुर के 100 से अधिक व्यापारी संगठनो को स्वास्थ शिविर में आंमत्रित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने पोला तिहार पर पाटन क्षेत्रवासियों को दी उफरा-रवेली सेतु की सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पोला तिहार के अवसर आज दुर्ग जिले के पाटन क्षेत्रवासियों को बड़ी सौगात दी है। उन्होंने ग्राम उफरा और ग्राम रवेली के मध्य खारून नदी पर 8 करोड़ 35 लाख 81 हजार रूपए की लागत से नव निर्मित पुल का लोकार्पण कर आवागमन हेतु जनता को समर्पित किया।

पुल निर्माण से क्षेत्र के 24 ग्रामों की लगभग 50 हजार की जनसंख्या लाभान्वित होगी। पुल निर्माण से क्षेत्रीय जनता की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हो गई है और राजधानी रायपुर का दुर्ग जिला मुख्यालय से सीधा आवागमन की सुविधा उपलब्ध हो गई है। मुख्यमंत्रीभूपेश बघेल इस मौके पर ग्राम उफरा में खारून नदी के तट पर बाबा कुटीर हनुमान मंदिर का दर्शन किया। उन्होंने हनुमान जी की पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों की समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

इसके बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ग्राम महुदा में आयोजित पोला महोत्सव में शामिल हुए। महोत्सव को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री बघेल ने पहुना बहनों और ग्रामवासियों को पोरा तिहार की शुभकामनाएं दी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बैलों की पूजा अर्चना की और बैल दौड़ का शुभारंभ किया। महोत्सव में स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

चित्रकला, रंगोली और प्रश्न मंच से सराबोर रहा दूसरा दिन मल्टीमीडिया चित्र प्रदर्शनी में उमड़ा जन सैलाब

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर (पीआईबी)। केंद्रीय संचार ब्यूरो भारत सरकार रायपुर द्वारा बागबाहरा के टाउन हॉल में आयोजित सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के 9 साल विषय पर मल्टीमीडिया चित्र प्रदर्शनी का दूसरा दिन विविध गतिविधियों वाला रहा । सर्वप्रथम चित्रकला प्रतियोगिता कराई गई, जिसका विषय स्वच्छ भारत समृद्ध भारत रखा गया। चित्रकला में नगर स्थित विभिन्न स्कूलों के 44 प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया ।

लगातार जारी भारी वर्षा के बावजूद भी प्रतिभागियों का उत्साह देखते ही बनता था । इसके बाद रंगोली प्रतियोगिता रखी गई जिसका विषय सही पोषण - देश रोशन रखा गया जिसमें 16 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत में महिला एवं बाल विकास की ओर से वार्ड क्रमांक 9 की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती भारती साहू ने उपस्थित जन को पोषण माह का महत्व बताते हुए किशोरी बालिकाओं , गर्भवती माता एवं कम वजन वाले बच्चों के विकास के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान पोषण आहार, डिजिटल पेमेंट , जनधन खाते के संबंध में प्रश्न मंच का दौर चला जिसमें युवाओं ने बड़े ही उत्साह से भाग लिया प्रश्न मंच के विजेताओं - दिशा चंद्राकर , खेमन जगत, तनीषा सौम्या व भाविका सिंह राजपूत को प्रदर्शनी अधिकारी शैलेष फाये ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

उल्लेखनीय है कि कार्यक्रम स्थल पर डाक विभाग के स्टाल में आधार अपडेशन और सुकन्या समृद्धि योजना के खाते भी खोले गए।कार्यक्रम के दौरान विभागीय कलाकारों ने गीत नृत्य प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया । कल दिनांक 15 सितंबर को मल्टीमीडिया चित्र प्रदर्शनी के मंच पर स्थानीय युवा देशभक्ति पूर्ण गीत गायन व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देंगे तथा भाषण प्रतियोगिता में भाग लेकर मुखर वक्तव्य प्रस्तुत करेंगे। कल आयोजन का तीसरा व अंतिम दिन होगा जिसमें दोपहर 3.00 बजे पुरस्कार वितरण के साथ ही तीन दिवसीय चित्र प्रदर्शनी का समापन होगा ।

गणेश उत्सव में घर-घर विराजेंगे इको फ्रेंडली गणपति, समूह की महिलाएं बना रहीं रीपा में प्रतिमाए

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर। इस गणेश उत्सव जिले में स्व सहायता समूह की महिलाएं भगवान गणेश की मूर्तियां बना रहीं हैं, जैसे-जैसे गणेश उत्सव का त्योहार पास आ रहा है ये महिलाएं दोगुनी मेहनत के साथ मूर्तियां तैयार करने में जुट गई हैं। समूह द्वारा तैयार मूर्तियां विक्रय हेतु सी मार्ट में उपलब्ध हैं, महिलाओं द्वारा स्थानीय बाजारों में भी स्टॉल लगाए जा रहे हैं। श्रद्धालुओं की नजर जैसे ही इन सुंदर मूर्तियों पर पड़ रही है, वे स्वयं आकर्षित होकर मूर्तियां खरीद रहे हैं।

सीमार्ट में घरेलू सामान खरीदने आए राहुल सिन्हा ने बताया कि मैंने यहां गणेश प्रतिमाएं देखीं, मुझे बताया गया कि ये मिट्टी की बनी प्रतिमाएं हैं। मैंने तुरंत 350 रुपए में एक प्रतिमा खरीद ली, मिट्टी की बनी इको फ्रेंडली प्रतिमाएं पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुँचाती हैं।

गौरतलब है कि रीपा गौठान मेन्ड्राकला में गणेश प्रतिमा निर्माण उत्पादक समूह कर्मी और शक्ति समूह तथा रीपा गौठान कुंवरपुर की प्रगति महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा मूर्तियां तैयार की जा रहीं हैं। शक्ति समूह की दीदी विमला बताती हैं कि ये मूर्तियां पुरी तरह से मिट्टी से बनाई गईं हैं। हम सब ने मिलकर बड़ी संख्या में मूर्तियां तैयार कर ली है, पहले हमने यह कार्य ऑर्डर पर शुरू किया था, मूर्तियों के विक्रय से दोगुने से भी अधिक लाभ हुआ है, इसी को देखते हुए हमने मूर्तियों का निर्माण जारी रखा है। प्रगति स्व सहायता समूह की दीदी ने बताया कि उन्हें यह कार्य करके बहुत प्रसन्नता हो रही है समूह की महिलाएं उत्साहपूर्वक प्रतिमाएं तैयार करने में जुटी हैं, शासन-प्रशासन ने उन्हें रोजगार का अच्छा माध्यम दिया है। उनके लिए सबसे बड़ी खुशी की बात तो यह है कि उनके हाथों से निर्मित प्रतिमाएं घरों-घर पूजी जाएंगी।

नाम परिवर्तन

मेरा नाम NIKHILA JYOTHI VADLAMANI W/O SWAMI AYYAPPA VADLAMANI निवासी सी एच 191 आदित्य नगर तितुरडीह नियर देवांगन फ्लोर मिल जिला व तहसील दुर्ग की हूं। मेरा आधार कार्ड नं. 9077-3125-8202 है। शादी के पूर्व मेरा नाम Venkata Nikhila Jyothi Kancharla था। शादी के बाद मेरा नाम NIKHILA JYOTHI VADLAMANI W/O SWAMI AYYAPPA VADLAMANI रख ली हूं। अत: आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजो में मेरे नये नाम NIKHILA JYOTHI VADLAMANI W/O SWAMI AYYAPPA VADLAMANI से ही जाना पहचाना जावे।

NIKHILA JYOTHI VADLAMANI
(शपथकर्ती)

ग्रामीण क्षेत्रों में पोला तिहार की रही धूम

कोरबा। छत्तीसगढ़ में भाद्रपद मास का पोला तिहार उल्लास और उमंग के साथ अमावस्या को मनाया जा रहा है। ग्रामीण परिवेश के साथ-साथ शहरी क्षेत्र में भी इसके नजारे देखने को मिले। मूल रूप से कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था में कदमताल करने वाले वर्ग ने पशुधन की पूजा की। स्थानीय बाजार में मिट्टी की बैल के अलावा संबंधित खिलौने जमकर बिके। खरीफ सीजन की फसल से जुड़े प्राथमिक कार्यों से निवृत्त होने के साथ कृषक अपनी खुशी व्यक्त करने के लिए इस प्रकार के त्योहार से सीधे जुड़ते हैं। छत्तीसगढ़ समेत आसपास के कई राज्यों में ऐसे पर्वों को मनाने की परंपरा सदियों से बनी हुई है जिसका निर्वहन अभी भी किया जा रहा है। भाद्रपद अमावस्या को छत्तीसगढ़ में पोल तिहार पर सरकार ने अवकाश घोषित किया। इसके साथ ही कई तरह की सुविधाएं भी दी गई। सुबह किसानों के द्वारा अपने पशुधन को नहलाने.धुलाने के साथ उनकी आरती उतारी गई। घरों पर बनाए गए विशेष व्यंजन उन्हें समर्पित किये गए।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

ऑटो पार्ट्स दुकान के सेल्समैन ने किया 10 लाख का गबन

व्यापारियों से किए थे वसूल, दुकानदार की शिकायत पर अपराध दर्ज

रायपुर। राजधानी के एक आटो पार्ट्स कारोबारी से 10 लाख की ठगी हो गई। कारोबारी की दुकान में द्वारिका यादव सेल्समैन का काम करता था। उसने मार्केट में जाकर दुकान से पार्टस खरीदने वाले कारोबारियों से पैसे वसूले। उन पैसों को कंपनी के खाते में जमा नहीं किया। अपने निजी कार्य में खर्च कर दिया। कंपनी में जब ऑडिट हुआ तब फर्जीवाड़े का पता चला। उसके बाद से आरोपी गायब है।

पुलिस ने बताया कि चौबे कॉलोनी निवासी प्रीति मुंदड़ा की आटो पार्ट्स की दुकान है। उनका कारोबार पहले कोटा में चलता था, अब डुमरतालाब शिफ्ट हो गया है। उनकी दुकान में लीली चौक निवासी द्वारिका यादव सेल्समैन था। पिछले एक साल से वह उनकी कंपनी में काम कर रहा था। वह मार्केट से पैसा भी वसूलता था। उसने पिछले साल एक दर्जन कारोबारियों से पैसा वसूला। उसे कंपनी के खाते में जमा करना था, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। पैसे निजी कार्य में खर्च कर दिए। पुलिस के अनुसार जब कारोबारी ने दूसरे कारोबारियों से संपर्क कर पेमेंट करने को कहा तब उन्होंने बताया कि पैसे सेल्समैन को दे दिए गए हैं। जबकि कंपनी में उसकी एंट्री नहीं है। इसके बाद कंपनी ने ऑडिट कराया तो आरोपी का फर्जीवाड़ा सामने आ गया। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

अवैध उत्खनन, परिवहन भण्डारण करने वालों पर रखी जा रही निगरानी

सूरजपुर (ए)। कलेक्टर अग्रवाल के दिए गए निर्देशों के अनुरूप जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण करने वालो पर अब सख्ती से कार्रवाई की जा रही है। मौके पर आदतन व्यक्तियों की ओर से अवैध खनन करने व अपराध गंभीर प्रकृति का जाने वालों पर न्यायालय में जुर्म साबित होने पर ऐसे व्यक्तियों को 02 साल की सजा के साथ 5 लाख रुपए का जुर्माना भी लगेगा। अवैध उत्खनन परिवहन में वाहनों को जप्त करते हुए, नियम व शर्तों के उल्लंघन करने व निरंतर उत्खनन जारी रखने और प्रथम दोष सिद्ध के पश्चात् 50 हजार रुपए अतिरिक्त जुर्माना लगेगा।

खनिज विभाग प्रभावित क्षेत्रों का चिन्हांकन कर ऐसे क्षेत्रों की विशेष निगरानी की जा रही है तथा ऐसे क्षेत्रों के लिए समस्त संभाव्य पहुंच मार्गों को यथासंभव प्रभावी रूप से बाधित किये जायें, जिसमें यह उल्लेखित किया जाये कि किसी व्यक्ति द्वारा इस क्षेत्र में अवैध उत्खनन परिवहन किया जाना दण्डनीय अपराध होगा तथा उसके विरूद्ध खनिज नियमों के तहत 02 से 05 वर्ष का कारावास की सजा हो सकती है। उपरोक्त वर्णित नियमों व शर्तों के साथ-साथ अवैध उत्खनन परिवहन क्षेत्रों में प्रभावी नियंत्रण व रोकथाम के लिए संबंधित ग्राम पंचायतों व ग्रामीणों के सहयोग से रेत खदान पहुच मार्गों पर बांस बल्ली व बोर्ड, फ्लैक्स में सूचना लगाया गया है, साथ ही सतत निगरानी की जा रही है। नियमों व शर्तों के उल्लंघन पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

शादी का झांसा देकर किया रेप, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में एक कारोबारी ने शादी और काम दिलाने का झांसा देकर एक साल तक एक युवती के साथ दुष्कर्म किया और जब युवती ने शादी का दबाव बनाया तो आरोपित टालमटोल करने लगा। युवती ने आरोपी के खिलाफगुढ़ियारी थाना पुलिस में केस दर्ज करा दिया है। पीड़िता की की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी का नाम नबी आलम खान है और वो रायपुर के गुढ़ियारी का रहने वाला है। आरोपी का स्टील कारोबारी है। यह मामला गुढ़ियारी थाना इलाके का है। पुलिस थाने की गई शिकायत के अनुसार में पीड़ित युवती दुर्ग के पाटन की रहने वाली है। युवती ने बताया कि स्टील कारोबारी पिछले एक साल से काम दिलाने और शादी का झांसा देकर उसका शारीरिक शोषण कर रहा था। पुलिस ने आरोपी कारोबारी के खिलाफ दुष्कर्म की धाराओं में मामला दर्ज किया है।

पावर हाउस के नए फ्लाई ओवर पर हादसाः ट्रक के पीछे जा घुसा स्कूटी सवार, मौके पर मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पावर हाउस में बने नए फ्लाईओवर पर बीती रात हादसे में स्कूटी सवार की मौत हो गई। फ्लाईओवर खुलने के बाद यह पहला बड़ा हादसा है जिसमें किसी की मौत हो गई। बताया जा रहा है ब्रिज पर साइड में खड़ी ट्रक के पीछे से स्कूटी सवार युवक ने टक्कर मारी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही छावनी पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक को सुपेला मरच्यूरी में रखवाया गया। छावनी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार हादसा गुरुवार देर रात लगभग 10:20 बजे के आसपास का बताया जा रहा है। पावर हाउस फ्लाईओवर के ऊपर ब्रेक फेल होने के कारण ट्रक चालक ने एक किनारे ट्रक को खड़ी कर दिया था। इस बीच एक स्कूटी सवार तेज रफ्तार के साथ ट्रक के पीछे हिस्से को ठोकर मारते हुए जा घुसा। हादसा इतना जोर दार था कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई। आनन फानन में मौके पर पुलिस पहुंची और जांच शुरू की। शुरुआती जांच में मृतक की पहचान छावनी निवासी शिवा साहू (31) के रूप में हुई है। इसके बाद पुलिस ने शव को सुपेला अस्पताल की मॉर्च्युरी पहुंचाया गया।

चेहरा फट गया था युवक का

हादसे के बाद जांच करने पहुंची पुलिस ने वहां का नजारा देखा तो खुद भी सहम गई। दरअसल हादसे के बाद स्कूटी सवार का चेहरा दो भागों में बंट गया था। स्कूटी भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। पूछताछ करने पर पता चला कि ट्रक क्रमांक सीजी 04 जे 7289 दुर्ग से रायपुर की ओर जा रहा था। पावर हाउस फ्लाई ओवर चढ़ते समय अचानक ट्रक का ब्रेक डाउन हो गया। इसके बाद ट्रक चालक ने सड़क पर ही ट्रक को खड़ा कर दिया। इस बीच बारिश भी हो रही थी। तभी पीछे से स्कूटी सवार शिवा साहू ट्रक में जा घुसा। बताया जा रहा है कि शिवा साहू को ट्रक दिखा नहीं और यह हादसा हो गया। हादसे के बाद काफी देर तक फ्लाई ओवर में जाम की स्थिति रही। पुलिस ने पहुंचकर जाम को हटाया। इसके बाद वहां की स्थिति सुधरी। वहीं पुलिस ने फ्लाईओवर पर खड़ी ट्रक को भी जब्त कर लिया है।

गाज गिरने से महिला की मौत, 2 महिलाएं गंभीर रूप से झुलसीं

खेत में काम करते समय हुआ हादसा

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा जिले के पहरिया गांव में खेत में काम करने के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से 3 महिलाएं झुलस गईं। इनमें से एक महिला की मौके पर मौत हो गई, वहीं 2 महिलाओं को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम पहरिया में गुरुवार को लक्ष्मीन चौहान (45), रत्ना बाई (37) और मनमोहिनी रात्रे (38) खेत में काम कर रही थीं। इसी बीच गरज-चमक के साथ तेज बारिश होने लगी। इससे बचने के लिए वे तीनों खेत से निकलकर घर के लिए निकलने लगीं, तभी आकाशीय बिजली गिरी। इसकी चपेट में तीनों महिलाएं आ गईं। तीनों बेहोश होकर खेत में गिर पड़ीं।

थोड़ी देर के बाद रत्ना बाई को होश आया, तो उसने खेत में काम कर रहे व्यक्ति को आवाज लगाकर बुलाया। इसके बाद परिजनों को सूचना दी गई। परिजन और गांववाले मौके पर पहुंचे। यहां आने पर देखा कि लक्ष्मीन चौहान की मौत मौके पर ही हो गई है। गंभीर रूप से झुलस गईं रत्ना बाई और मनमोहिनी रात्रे को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मनमोहिनी के चेहरे, हाथ की कोहनी और कमर पर जलने का निशान है। वहीं लक्ष्मीन चौहान का पूरा शरीर झुलस गया था। शुक्रवार को उसके शव का पोस्टमॉर्टम कराकर उसे परिजनों को सौंप दिया गया है। बता दें कि जांजगीर में तेज बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है। 2 दिनों तक तेज आंधी, तूफान, बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना जताई गई है।

निजी क्लीनिक में महिला की मौत, शव को सरकारी अस्पताल में छोड़ भागा संचालक, क्लीनिक सील

श्रीकंचनपथ न्यूज

सरगुजा। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में इलाज के दौरान निजी क्लीनिक में महिला की मौत हो गई। क्लीनिक संचालक ने इसके बाद महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया और वहां से भाग गया। इधर घटना के बाद परिजनों ने हंगामा कर दिया। परिजनों के हंगामे के बाद मौके पर सीतापुर तहसीलदार पहुंचे। जांच के बाद क्लीनिक को सील कर दिया।

मिली जानकारी के अनुसार, सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम काराबेल निवासी अनिता लकड़ा (45) मिश्रा फार्मेसी में इलाज के लिए परिजन लेकर पहुंचे। मिश्रा फार्मेसी के संचालक निरंजन मिश्रा ने महिला को दवाएं दीं थी। बुधवार को

अनिता लकड़ा के पैरों में तेज दर्द होने पर परिजन उसे लेकर फिर से मिश्रा फार्मेसी पहुंचे थे। निरंजन मिश्रा ने महिला को एक इंजेक्शन दिया। इसके बाद अनिता लकड़ा की हालत बिगड़ गई। जब महिला की हालत ज्यादा बिगड़ गई तो निरंजन मिश्रा अपने वाहन से परिजनों के साथ उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया और वहां भाग निकला। इधर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के चिकित्सकों से उसे मृत घोषित कर दिया।

इसके बाद परिजनों ने हंगामा कर दिया। परिजनों का आरोप है कि गलत इंजेक्शन व उपचार के कारण अनिता लकड़ा की मौत हो गई है। घटना की सूचना पर सीतापुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। गुरूवार को महिला के शव का पोस्टमार्ट कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। महिला की मौत एवं परिजनों के हंगामें के बाद सीतापुर तहसीलदार ने क्लीनिक को सील कर दिया है। बिना लाइसेंस के ही क्लीनिक का संचालन किया जा रहा था। वहीं सीएमएचओ ने कहा कि इस पूरे मामले में जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सो रहे मासूम को करैत ने डसा, अस्पताल पहुंचने से पहले हो गई बच्चे की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। घर पर सो रहे 6 साल के बच्चे को करैत सांप ने डस लिया। करैत के डसने के बाद परिजन बच्चे को अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन उसकी जान नहीं बच पाई। बच्चे की मौत से घर में मातम पसर गया है। बच्चे को डसने वाले सांप को पकड़कर जार में बंद कर दिया गया है। मामला यहां के परपा थाना क्षेत्र के ग्राम नैनमुर का है।

मिली जानकारी के अनुसार परपा थाना क्षेत्र के ग्राम नैनमूर में रहने वाले साधुराम के छह वर्षीय बेटा दिनेश अपनी मां बसंती के साथ पलंग पर सो रहा था कि अचानक से एक करैत सांप ने बच्चे की कमर में डस लिया। जिसके

बाद बच्चे ने शोर मचाया, बच्चे की मां ने इसकी जानकारी पति के साथ ही घर वालों को दी। जहां परिजनों ने सबसे पहले सांप को पकड़कर उसे डिब्बे में भरने के साथ ही बच्चे को 112 डायल में लेकर मेकाज पहुंचे, लेकिन उससे पहले ही बच्चे की मौत हो गई, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

॥ कार्यालय नगर पालिक निगम, दुर्ग ॥

EmailId:- durgmc 2019 @gmail.comPhone:- 0788-2322148

-:: मैनुअल निविदा आमंत्रण सूचना ::-

क्रमांक- 801/लो.क.वि./2023 दुर्ग, दिनांक-14/09/2023

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों तथा समान प्रकृति के कार्य के अनुभवी फर्म/व्यक्तियों से नॉन एस.ओ. आर. आयटम दर के अधार पर तथा निविदा दिनांक से संशोधित दर पर कम/अधिक प्रतिशत दर पर नीचे उल्लेखित निर्माण कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा प्रपत्र कय हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि -21.09.2023
निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि -29.09..2023
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि -05.10.2023
निविदा खोलने की तिथि - 06.10.2023 शाम 4.00 बजे

कार्य का नाम/स्थल विवरण	लागत (लाख में)
शासकीय पालीटेक्नीक दुर्ग के पास शहीद हेमु कालाणी की आदमकद प्रतिमा स्थापना कार्य।	12.00

निविदा की सामान्य शर्ते धरोहर राशि निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है अथवा विभागीय वेबसाइट www.municipalcorporationdurg.in, एवं www.uad.cg.gov.inसे भी डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता

एसबीआई ग्राहक सेवा केन्द्र में चोरी

लॉकर से हजारों रुपए पार, एक साल में दूसरी बार सेंधमारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में एसबीआई के ग्राहक सेवा केंद्र में चोरी हे गई। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में यह सनसनीखेज वारदात हुई है। एसबीआई का यह ग्राहक सेवा केंद्र कोरबा जिला जेल के पास संचालित है। यहां सेंधमारी कर अज्ञात चोरों ने लॉकर में रखे 70 हजार रुपए चुरा लिए। साल भर पहले सितंबर माह में ही यहां चोरी हुई थी। संचालक की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरु कर दी है।

ग्राहक सेवा केंद्र के संचालक विकास कुमार ने बताया कि ग्राहक सेवा केंद्र को बंद कर अपने घर चला गया। सुबह-सुबह वापस लौटा और ताला खोलकर देखा तो दीवार और लॉकर टूटा हुआ है। लॉकर से 70 हजार रुपए गायब मिले। घटना की सूचना उसने 112 को दी। मौके पर 112 पुलिस ने संबंधित सिविल लाइन पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे का फुटेज तलाश रही है। संचालक ने बताया कि पिछले वर्ष भी सितंबर माह में ही ग्राहक सेवा केंद्र में रात के वक्त चोरों ने छज्जा तोड़कर दो लाख 80 हजार रुपए चुरा लिए थे। उस मामले में भी पुलिस को अब तक सफलता नहीं मिली। एक बार फिर सितंबर माह में चोरी हो गई। संचालक की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

सब्जी में गिरी छिपकली, खाना खाने के बाद एक ही परिवार के पांच लोगों की बिगड़ी तबीयत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा में फूड प्वाइजनिंग के कारण एक ही परिवार की पांच सदस्यों को जिला मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पिता, बेटी और बेटा फूड प्वाइजनिंग का शिकार हुए हैं। बताया जा रहा है कि खाना बनाते समय सब्जी में छिपकली गिर गई। खाना खाने के बाद सभी की एक के बाद एक तबीयत बिगड़ने लगी। सभी को उल्टी दस्त होने लगे। सभी को जिला मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, कोरबा शहर से थोड़ी दूर स्थित गोढ़ी गांव निवासी राजेश महिलांगी की पत्नी बुधवार शाम को खाना बना रही थी। सब्जी बनाते समय उसमें छिपकली गिर गई। सब्जी में छिपकली गिरने की जानकारी नहीं

हो सकी। सभी ने खाना गया और एक के बाद एक सभी की तबीयत बिगड़ती चली गई। इस दौरान उन्हें आशंका हुई की वह फूड पॉइजनिंग के शिकार हुए हैं। सभी को जिला मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के बाद अभी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। राजेश महिलांगे, अंकित महिलांगे, निखिल महिलांगे इसके अलावा दो अन्य को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिला अस्पताल प्रबंधन ने घटनाक्रम की सूचना मेमो जिला अस्पताल चौकी पुलिस को दी।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बेमेतरा

शीतला मंदिर के पास सिंधौरी, जिला बेमेतरा (छ.ग.)

E-mail Id-eeres.bemetara@gmail.com Phone No. 07824222332

क्र./2668/का. अभि / वलेलि / ग्रा.या. सेवा / 2023-24

बेमेतरा, दिनांक 11/09/2023

संक्षिप्त मैनुअल (जोनल) निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 21

छत्तीसगढ़ राज्य के राज्यपाल के ओर से केवल एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग बेमेतरा में विभिन्न योजनाओं के तहत् लघु कार्य / जीर्णोद्वार कार्य भाग - 31 से भाग - 33 तक एवं उपसंभाग नवागढ़ हेतु भाग -34 एवं भाग - 35 अनुमानित लागत प्रत्येक भाग 20.00 लाख रूपये का जोनल निविदा आमंत्रित की जाती है ।

उपरोक्त निविदा की समस्त शर्ते व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की

जा सकती है तथा विभागीय वेबसाईट https://res.cg.gov.in में दिनांक 12.09.2023 से देखी / डाउनलोड की जा सकती है एवं निविदा प्राप्ती की अंतिम तिथि 25.09.2023 तथा निविदायें दिनांक 26.09.2023 को अपरान्ह 12:30 बजे खोली जावेगी ।

(दीपक कुमार मिश्रा)
कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग- बेमेतरा
जिला - बेमेतरा (छ.ग.)

जी- 05337/3

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

किया वादे से ज्यादा, भरोसा बरकरार

युवाओं के साथ छत्तीसगढ़ सरकार

श्री भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

सरकारी नौकरी के सपने हो रहे पूरे
42,000 विभिन्न शासकीय पदों पर भर्ती जारी

आकांक्षाओं पर निवेश
शिक्षित बेरोजगार युवाओं को प्रतिमाह 2,500 रु भत्ता

मजबूत भविष्य को आकार
कौशल विकास प्रशिक्षण से
4.68 लाख युवाओं का भविष्य मजबूत

युवाओं को आर्थिक राहत
सीजीव्यापम और सीजीपीएससी की परीक्षाओं की फीस माफ

रोजगार मेला - सफलता की राह
18,666 युवाओं के हाथों में रोजगार-स्वरोजगार

उज्ज्वल भविष्य का निर्माण
10 नए स्वामी आत्मानंद महाविद्यालय

स्कूली शिक्षा के साथ तकनीकी शिक्षा
हायर-सेकेंडरी में भी आईटीआई शिक्षा और प्रमाण पत्र

तकनीकी प्रशिक्षण से रोजगार की राह आसान
194 आईटीआई संचालित, 36 शासकीय आईटीआई
का टाटा टेक्नोलॉजीस के साथ एमओयू

मजबूत युवा हाथों में निर्माण की जिम्मेदारी
ब्लॉक स्तर पर पंजीकृत युवा इंजीनियरों को दिए जा रहे
20 लाख रु तक के निर्माण कार्य

निखर रहीं खेल प्रतिभाएं
4 आवासीय, 3 गैर आवासीय खेल अकादमियां,
24 खेलो इंडिया सेंटर स्थापित
8 नई खेल अकादमियां प्रस्तावित

जमीनी स्तर की युवा प्रतिभाओं को बढ़ावा
13,242 राजीव युवा मितान क्लबों के माध्यम से
3.33 लाख युवाओं का सशक्तीकरण

मजबूत नींव
33 जिलों में अजा. अजजा. वर्ग के युवाओं
के लिए नि:शुल्क कोचिंग

RO-38116/2

छत्तीसगढ़ सरकार - भरोसे की सरकार

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950